mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-341 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
12 दिसंबर 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

राजस्थान-किसान भड़के, भीड़ को रोका, कांग्रेस विधायक हिरासत में

हनुमानगढ़ में फैक्ट्री का विरोध; 24 घंटे से बंद इंटरनेट, पथराव और आगजनी हुई थी

हनुमानगढ़, एजेंसी। हनुमानगढ़ में एथेनॉल फैक्ट्री को लेकर हो रहे विरोध-प्रदर्शन जारी है। आज होने वाली किसान सभा में जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पहले ही रोक दिया है।

विधायक रुपिंदर सिंह कुन्नर को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। वहीं, किसानों ने चेतावनी दी है कि मांग पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

बुधवार (10 दिसंबर) को किसानों ने जिले के राठीखेड़ा गांव में निर्माणाधीन ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री की दीवार तोड़ दी। अंदर घुसे प्रदर्शनकारियों ने ऑफिस में भी आग लगा दी। इसके बाद पुलिस-किसानों में जमकर पत्थरबाजी हुई। बवाल में कांग्रेस विधायक सहित 70 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। कुछ घायल रातभर टिब्बी के गुरुद्वारे में ही रुके रहे। आज भी जिले के टिब्बी क्षेत्र में इंटरनेट बंद है। वहीं, फैक्ट्री के आसपास रहने वाले करीब 30 परिवार घर छोड़कर भाग गए हैं।

या है पूरा मामला?

- **एथेनॉल प्लांट का निर्माण :** चंडीगढ़ में रजिस्टर्ड ड्यून इथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी राठीखेड़ा में 40 मेगावाट का अनाज आधारित एथेनॉल प्लांट लगा रही है। कंपनी का दावा है प्लांट केंद्र के एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (EBP) प्रोग्राम को सपोर्ट करेगा।
- **10 महीने चला था शांतिपूर्ण विरोध :** सितंबर 2024 से जून 2025 तक लगभग 10 माह शांतिपूर्ण विरोध चला। जुलाई 2025 में विरोध तेज हुआ। कंपनी ने चारदीवारी (बाउंड्री वॉल) का निर्माण शुरू किया, जिससे किसानों का गुस्सा भड़का।
- **फैक्ट्री निर्माण फिर शुरू होने से नाराजगी :** 19 नवंबर 2025 पुलिस सुरक्षा में फैक्ट्री निर्माण फिर शुरू हुआ। किसान नेता महंगा सिंह समेत 12 से अधिक किसान नेता गिरफ्तार। 20-21 नवंबर 67 लोगों ने गिरफ्तारी दी।
- **विरोध में फैक्ट्री की दीवार तोड़ी :** बुधवार (10 दिसंबर) दोपहर किसानों ने टिब्बी एसडीएम ऑफिस के सामने बड़ी सभा की। शाम करीब 4 बजे सैकड़ों किसान ट्रैक्टर लेकर फैक्ट्री साइट पर पहुंच गए। दीवार तोड़ दी गई और पुलिस से झड़प शुरू हो गई।

संसद का शीतकालीन सत्र

अनुराग ठाकुर बोले : टीएमसी सांसद सदन में ई-सिगरेट पी रहे, स्पीकर बोले- कार्रवाई होगी

● हरदीप पुरी से कहा- जेब में हाथ डालकर जवाब न दें ● नड्डा बोले- कांग्रेस ने भारत को खंडित आजादी दिलाई

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के शीतकालीन सत्र में गुरुवार को नौवें दिन की कार्यवाही जारी है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने स्पीकर ओम बिरला को शिकायत करते हुए कहा- TMC सांसद सदन में ई-सिगरेट पी रहे हैं। इस पर स्पीकर ने कहा कि एक्शन लिया जाएगा। विपक्ष के सवाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पेंट की जेब हाथ डाले हुए ही जबाव दे रहे थे। इस पर स्पीकर बिरला ने उन्हें टोका और कहा कि माननीय सांसद जेब से हाथ निकालकर जबाव दें। इस पर हरदीपसिंह पुरी ने तत्काल हाथ बाहर निकाले। इधर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुबह लोकसभा पहुंचे। जैसे ही वे कार उतरे तो कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने उनसे मुलाकात की। रमेश ने सरदार पटेल की इनसाइड स्टोरी- मणिबेन पटेल की डायरी नाम की किताब सौंपी। कहा- ये गुजराती में है, इसे पढ़िएगा।

राजनाथ ने मुस्कुराते हुए कहा, अंग्रेजी में दीजिए। मैं गुजराती नहीं जानता हूं। इतना कहकर राजनाथ सिंह आगे बढ़ गए। आज भी दोनों सदनों में चुनाव सुधार, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) और वोट चोरी जैसे मुद्दों पर हंगामे के आसार हैं।

राहुल का शाह को डिबेट का चैलेंज : इससे पहले गुरुवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृहमंत्री अमित शाह को डिबेट के लिए चैलेंज कर दिया था। दरअसल इससे पहले दौरान शाह ने कहा था कि चुनाव सुधार पर चर्चा से बीजेपी के लोग भागते नहीं है।

शाह ने लोकसभा में आपत्तिजनक शब्द बोला, रिजिजू बोले- गलती से निकल गया

गृहमंत्री बोले- चुनाव जीतने पर विपक्ष कौ-कौ करता है...

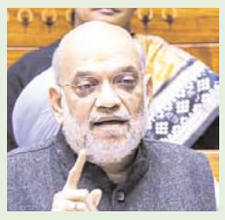

नई दिल्ली, एजेंसी । लोकसभा में बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव सुधार और SIR पर संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष को जमकर फटकार लगाई। भाषण के बीच बोलने वाले विपक्षी सांसद को नसीहत दी। संबोधन के दौरान शाह के मुंह से गुस्से में आपत्तिजनक शब्द भी निकला। उन्होंने ये भी कहा कि 2014 के बाद से भाजपा की जीत पर विपक्ष कौ-कौ-कौ करता है। विपक्ष जब हंगामा कर रहा था तब शाह गुस्से में आ गए। उन्होंने विपक्ष की ओर उंगली दिखाते हुए कहा- मेरे बोलने का क्रम मैं तय करूंगा। 30 साल से जनप्रतिनिधि हूं, आपकी मुंसिफगिरी संसद में नहीं चलेगी।

शाह ने विपक्षी सांसद को फटकारा, नसीहत दी : गृह मंत्री शाह जब भाषण दे रहे थे तब विपक्ष ने हंगामा किया। शाह ने स्पीकर की ओर देखकर चर्चा शुरू की। इतने में विपक्ष के एक सांसद ने दोबारा टोका। इस पर शाह को गुस्सा आया। उन्होंने नसीहत देते हुए सांसद से कहा- जब दो बड़े लोग बात कर रहे हों, तो बीच में नहीं टोकना चाहिए।

फ्लाइट उड़ने में 15 मिनट की देरी की जांच होगी, कंपनी को वजह बतानी होगी

निगरानी से जुड़े नियम तत्काल प्रभाव से बदले गए

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के विमानन सेक्टर में पहली बार तकनीकी खामियों की निगरानी का पूरा ढांचा तत्काल प्रभाव से बदल दिया गया है। उड़ानों में लगातार देरी, कैंसिलेशन और हालिया सुरक्षा घटनाओं ने डीजीसीए को डिफेक्ट रिपोर्टिंग सिस्टम को जड़ से सख्त करने के लिए मजबूर किया है। 12 पेज के नए आदेश के मुताबिक अब किसी भी निर्धारित उड़ान में तकनीकी कारण से 15 मिनट या उससे ज्यादा की देरी होती है तो उसकी जांच अनिवार्य होगी। कंपनी को बताना होगा कि देरी क्यों हुई? उसे कैसे ठीक किया गया? दोबारा न होने के लिए क्या उपाय किए? ये ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले लागू नहीं थे। कंपनी को किसी भी 'मेजर डिफेक्ट' की तुरंत सूचना डीजीसीए को फोन पर देनी होगी। 72 घंटे में विस्तार से रिपोर्ट भेजनी होगी। डिफेक्ट तीन बार दोहराए जाने पर उसे 'रिपीटेटिव डिफेक्ट' माना जाएगा और उस पर अलग से विशेष जांच शुरू होगी। डीजीसीए ने यह सख्ती इसलिए की क्योंकि अब तक डिफेक्ट रिपोर्टिंग व्यवस्था कमजोर थी। अभी तक 15 मिनट की देरी की जांच जैसी व्यवस्था नहीं थी और रिपीट डिफेक्ट की परिभाषा भी नहीं थी।

सीएम ममता ने जिलाधिकारी के काम की निगरानी के लिए भाजपा समर्थक अफसर भेजने का चुनाव आयोग पर आरोप लगाया

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कृष्णानगर में आयोजित एक रैली में आरोप लगाया कि चुनाव आयोग (ईसीआई) दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थक अधिकारियों को भेज रहा है, ताकि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जिलाधिकारी के काम पर रखें। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कोलकाता में हाल ही में हुए कार्यक्रम में फूड वेंडर्स पर हमले की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह उत्तर प्रदेश नहीं है और ऐसे कृत्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों को गिरफ्तार किया गया। ममता ने कहा कि कौन शाकाहारी या मांसाहारी भोजन करेगा, यह भाजपा तय नहीं कर सकती, यह व्यक्तिगत चुनाव है। उन्होंने कोलकाता में हाल ही में हुए विशाल गीता पाठ को लेकर कहा कि हम सब गीता पढ़ते हैं, इसके लिए किसी सभा की जरूरत क्या है।

पीएम ऑफिस में मोदी-राहुल की डेढ़ घंटे मीटिंग चली : शाह भी मौजूद रहे

● राहुल ने चीफ इन्फोर्मेशन कमिश्नर की नियुक्ति पर सवाल उठाए, असहमित पत्र सौंपा

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के शीतकालीन सत्र में पक्ष-विपक्ष की गहमागहमी के बीच बुधवार को नरेंद्र मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बंद कमरे में एकसाथ मीटिंग हुई। करीब डेढ़ घंटे चली यह बैठक प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) में हुई। इसमें गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल थे। यह मीटिंग नए चीफ इन्फॉर्मेशन कमिश्नर (CIC) की नियुक्ति को लेकर बुलाई गई थी। प्रधानमंत्री मोदी CIC और 8 इन्फॉर्मेशन कमिश्नर्स की नियुक्ति के लिए नामों का चयन और सिफारिश करने वाली तीन सदस्यीय समिति के अध्यक्ष हैं। विपक्ष के नेता और केंद्रीय मंत्री शाह समिति के मेंबर हैं। सूत्रों के मुताबिक, राहुल ने बैठक में CIC और 8 इन्फॉर्मेशन कमिश्नर्स के चयन के मानदंडों पर सवाल उठाए। नेता प्रतिपक्ष ने चुने गए नामों के और डिटेल्स मांगे और प्रक्रिया से नाराज होकर अपना असहमति पत्र सौंपा। बैठक में तीनों सदस्यों के बीच किन्हीं नामों पर सहमति बनी या नहीं, यह सार्वजनिक नहीं हुआ है।

राहुल के सुझाव खारिज, विवाद बढ़ा

कांग्रेस सूत्रों ने आरोप लगाया कि राहुल को बैठक का विस्तृत एजेंडा पहले से नहीं दिया गया। उन्होंने सीआईसी पद के लिए कुछ नाम सुझाए थे, जिसे पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह ने खारिज कर दिया। चूंकि बैठक में सीवीसी और आठ सूचना आयुक्तों के नाम पर भी चर्चा चलती रही, इसलिए यह चर्चा लंबी चली। इससे पहले भी मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर अपनी असहमति दर्ज कराई थी। सीआईसी और सीवीसी दोनों ही पद सरकारी पारदर्शिता और सतर्कता व्यवस्था के लिए बेहद अहम माने जाते हैं। ऐसे में इन पदों पर चयन को लेकर विपक्ष और सरकार के बीच टकराव नया नहीं है। इस बार राहुल गांधी का असहमति नोट एक बार फिर विपक्ष की नाखुशी को सामने लाता है और नियुक्तियों पर नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर देता है।

गोवा अग्निकांड; लूथरा ब्रदर्स थाईलैंड में हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली, एजेंसी। गोवा के बिर्च नाइट क्लब में अग्निकांड के पांचवें दिन, गुरुवार को क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड में हिरासत में लिया गया है। थाइलैंड पुलिस ने दोनों भाइयों की तस्वीरें भी जारी की हैं, जिनमें उनके हाथों में हथकड़ी लगी है। वे अपने पासपोर्ट पकड़े हुए हैं।

सूत्रों के अनुसार, भारतीय अधिकारियों की एक टीम थाईलैंड के लिए रवाना हो चुकी है और 24 घंटे के भीतर लूथरा ब्रदर्स को वापस लेकर आएगी। संभावना है कि भारत लाने के बाद गोवा पुलिस दोनों को अपनी हिरासत में लेगी।

भोपाल में 2 नवजातों के अधजले शव मिले

हमीदिया अस्पताल की पुरानी टंकी में कचरे के साथ फेंके थे; आग लगाने के बाद खुलासा

भोपाल, एजेंसी। भोपाल के हमीदिया अस्पताल परिसर में मॉर्चुरी के पास स्थित पानी की पुरानी टंकी से बुधवार तड़के दो नवजात बच्चों के अधजले शव मिलने से हड़कंप मच गया। टंकी को अस्पताल प्रबंधन डस्टबिन की तरह इस्तेमाल कर रहा था। तड़के कचरे में आग लगने के बाद यह सनसनीखेज मामला सामने आया।फिलहाल, दोनों शव मॉर्चुरी में रखे गए हैं। पुलिस अस्पताल रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज, डीएनए टेस्ट और अन्य तकनीकी सबूतों के आधार पर पूरे मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

आग बुझाने के बाद हुआ खुलासा : कचरे में आग लगने पर अस्पताल प्रबंधन ने फायर ब्रिगेड को बुलाया। आग बुझाने के बाद जब टंकी की जांच की गई तो उसमें दो नवजात बच्चों के अधजले शव मिले। शवों पर प्लास्टिक और पन्नी चिपकी हुई थी। इसके बाद दोपहर करीब दो बजे कोह-ए-फिजा पुलिस को सूचना दी गई। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे 5 डॉक्टरों की टीम दोनों नवजात शवों का पोस्टमॉर्टम कर रही है। कोह-ए-फिजा थाना प्रभारी केजी शुक्ला पोस्टमॉर्टम रूम में मौजूद हैं। पोस्टमॉर्टम की वीडियोग्राफी कराई जा रही है।

पोस्टमॉर्टम हाउस के गेट पर ताले लगा दिए गए हैं। बाहर गार्डों की तैनाती की गई है। अंदर किसी को भी जाने की इजाजत नहीं है। पूरे मामले को लेकर पुलिस की टीम मॉर्चुरी रूम में पदस्थ कर्मचारियों और डॉक्टर से भी पूछताछ करेगी।

पन्नी में लपेटकर फेंके जाने की आशंका

नवजातों के शरीर पर जली हुई पन्नी चिपकी मिली है। इससे अनुमान है कि उन्हें पन्नी में लपेटकर कचरे में डाला गया और बाद में आग लगा दी गई। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि नवजात मृत अवस्था में जलाए गए या जीवित। इसका खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से होगा।

टीआई बोले-कचरा फेंकने की पुरानी व्यवस्था : टीआई केजी शुक्ला के मुताबिक, मॉर्चुरी के पास स्थित पुरानी टंकी में मरीजों और अस्पताल कर्मचारियों द्वारा नियमित रूप से कचरा फेंका जाता था और कई बार उसमें आग भी लगा दी जाती थी।

कुछ राज्यों में एसआईआर की डेडलाइन बढ़ सकती है, इसमें यूपी भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल को छोड़कर देश के 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) के फॉर्म जमा करने की आज आखिरी तारीख है। चुनाव आयोग के अधिकारी गुरुवार को फॉर्म डिजिटाइजेशन और जमा करने की प्रोग्रेस का रिव्यू करेंगे।

इस मीटिंग के दौरान उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों के लिए SIR की डेडलाइन बढ़ाने पर विचार किया जा सकता है। NDTV ने चुनाव आयोग के सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक पश्चिम बंगाल भी उन राज्यों में शामिल है जहां डेडलाइन बढ़ाई जा सकती है। इससे पहले आयोग ने केरल के लिए आखिरी तारीख 11 दिसंबर से बढ़ाकर 18 दिसंबर कर दी थी।

30 नवंबर को SIR की डेडलाइन 7 दिन बढ़ाई गई थी : चुनाव आयोग ने 30 नवंबर को स्क्रूक की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया था। आयोग ने कहा था कि अब अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

मतदाता जोड़ने-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन अब 11 दिसंबर तक चलेगा, जो पहले 4 दिसंबर तक तय था। वहीं, पहले ड्राफ्ट लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन अब इसे 16 दिसंबर को जारी किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

यौन उत्पीड़न पर कानून की संकीर्ण व्याख्या से कमजोर होगा मकसद

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यौन उत्पीड़न मामले में पीड़िता के विभाग में गठित आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) किसी दूसरे विभाग के कर्मचारी के खिलाफ शिकायत पर यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम (पॉश) के तहत सुनवाई कर सकती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पॉश के प्रावधानों की संकीर्ण व्याख्या इसके सामाजिक कल्याणकारी मकसद को कमजोर कर देगी, इससे पीड़ित महिला के लिए अहम व्यावहारिक बाधाएं उत्पन्न होंगी। जस्टिस जेके माहेश्वरी व जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने कहा, पॉश अधिनियम की धारा 11 में निहित वाक्यांश, जहां प्रतिवादी कर्मचारी है का यह अर्थ नहीं निकाला जा सकता कि प्रतिवादी के खिलाफ आईसीसी की कार्यवाही सिर्फ प्रतिवादी के विभाग में गठित आईसीसी के समक्ष ही शुरू की जा सकती है। अदालत ने कहा कि संकीर्ण व्याख्या से पीड़ित महिला के लिए कई प्रक्रियात्मक और मनोवैज्ञानिक बाधाएं पैदा होंगी।

मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट की टिप्पणी : यौन उत्पीड़न की शिकार महिला को प्रतिवादी के कार्यस्थल पर गठित आईसीसी के समक्ष शिकायत दर्ज कराने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इससे ऐसी स्थिति बनेगी, जहां पीड़ित महिला को कानूनी उपाय पाने के लिए आईसीसी के समक्ष किसी अन्य कार्यस्थल पर उपस्थित होना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि पीड़िता के कार्यस्थल पर गठित आईसीसी पॉश अधिनियम के तहत तथ्य-खोज जांच कर रही है, तो आरोपी के नियोक्ता को पॉश कानून की धारा 19(एफ) के तहत अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा। फिर भले ही वह एक अलग विभाग हो। पीड़ित महिला के कार्यस्थल पर गठित आईसीसी के अनुरोध पर तुरंत सहयोग करना होगा और जानकारी देनी होगी।

शर्मनाक : दुनिया में एक अरब महिलाएं बचपन में यौन हिंसा की शिकार

भारत में हर चौथी महिला ने झेली यौन प्रताड़ना

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में एक अरब से अधिक महिलाएं बचपन में यौन हिंसा का शिकार हुई हैं। लैंसेट ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि साल 2023 में यौन हिंसा झेलने वालों में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग शामिल था। वहीं, 60.8 करोड़ महिलाएं भी अपने जीवन में कभी न कभी अनके पार्टनर ने ही प्रताड़ित किया। रिपोर्ट के अनुसार सब-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया इन हिंसाओं का सबसे बड़ा केंद्र हैं, जहां हिंसा के साथ एचआईवी और अन्य बीमारियों का खतरा भी ज्यादा है। रिपोर्ट में इन मामलों में भारत की स्थिति को भी चिंताजनक बताया गया है। आंकड़ों के मुताबिक, 23 फीसदी महिलाओं ने पार्टनर हिंसा झेली, जबकि 30 फीसदी महिलाएं और 13 फीसदी पुरुष बचपन में यौन हिंसा का सामना कर चुके हैं। यह हिंसा सिर्फ सामाजिक या अपराध का मुद्दा नहीं, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है।

साल 2023 में दुनिया में पार्टनर की प्रताड़ना से 145,000 मौतें : साल 2023 में दुनिया में पार्टनर की प्रताड़ना से 145,000 मौतें, जबकि बचपन की यौन हिंसा से जुड़े मामलों में 2.9 लाख मौतें दर्ज हुईं। मानसिक रोग, अवसाद, नशे की लत और आत्महत्या के खतरे इन हिंसाओं से गहरे जुड़े पाए गए। विशेषज्ञों ने कहा, कानूनी ढांचे मजबूत करने, जेंडर समानता और पीड़ितों के लिए सपोर्ट सिस्टम बढ़ाने की तत्काल जरूरत है।

बल्कि स्वास्थ्य पर भी संकट : विशेषज्ञों ने कहा कि यह मानवाधिकार नहीं, बल्कि स्वास्थ्य पर भी संकट है। टीम की प्रमुख डॉ. लुइसा फ्लोर ने कहा कि इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि घरेलू और यौन हिंसा को केवल सामाजिक या कानूनी मुद्दा मानना गलत है।

हिमाचल में पारा लुढ़का, सूखी ठंड ने बढ़ाई मुश्किलें, लाहौल स्पीति में जमे जलस्त्रोत

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में लंबे समय से बादलों के न बरसने से सूखी ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य के अधिकतर हिस्सों में न्यूनतम तापमान तेजी से गिर रहा है और कई जगह सामान्य से नीचे पहुंच गया है। जनजातीय जिलों लाहौल-स्पीति और किन्नौर में हालात और भी सख्त हैं, जहां तापमान शून्य से काफी नीचे दर्ज किया जा रहा है और प्राकृतिक जल स्रोत जम गए हैं।

ठंड से सिर्फ पहाड़ी इलाके ही नहीं बल्कि निचले जिले भी बुरी तरह प्रभावित हैं। बिलासपुर और मंडी जिलों में घना कोहरा छाया हुआ है। इसकी वजह से ठंड और अधिक महसूस हो रही है और सुबह-शाम दृश्यता भी प्रभावित हो रही है। निचले इलाकों में रातें हिल स्टेशन शिमला से भी ज्यादा ठंडी हो चुकी हैं। शिमला में बीती रात न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि हमीरपुर में 3.9, मंडी में 3.7, कांगड़ा में 5.4, पालमपुर में 5, सोलन में 3, ऊना में 5.6 और धर्मशाला व देहरा गोपीपुर में 7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पहाड़ी पर्यटन स्थलों की बात करें तो मनाली का न्यूनतम तापमान 2.3, नारकंडा 3.4, कुफरी 6.2 और भरमौर 6.4 डिग्री रहा।

जनजातीय क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड का असर ज्यादा है। लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में -6.3 डिग्री सेल्सियस, ताबो में -4.6 डिग्री और किन्नौर के कल्पा में 1 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। बीते 24 घंटों में राज्य के औसतन न्यूनतम तापमान में 0.2 डिग्री की कमी आई है, जबकि यह सामान्य से 0.3 डिग्री नीचे बना हुआ है। फिलहाल गुरूवार को पूरे प्रदेश में मौसम साफ है और धूप खिली है, लेकिन बिलासपुर और मंडी में घने कोहरे से लोगों को परेशानी हो रही है। मौसम विभाग ने 12 और 13 दिसंबर को पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहने का अनुमान जताया है। हालांकि निचले इलाकों विशेष रूप से बिलासपुर और मंडी में सुबह और शाम घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

कश्मीर घाटी में गिरा पारा, पुलवामा और शोपियां रहे सबसे ठंडे

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर में लोगों को बीती रात में ज्यादा ठंड महसूस हुई क्योंकि घाटी के ज्यादातर इलाकों में पारा और गिर गया जबकि कई हिस्सों में हल्का कोहरा छाया रहा। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि बुधवार को श्रीनगर में रात का तापमान पिछली रात से एक डिग्री गिरकर माइनस 2.9 डिग्री सेल्सियस रहा। उन्होंने बताया कि रात का तापमान इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.3 डिग्री कम था। दक्षिण कश्मीर के काज़ीगुंड में तापमान माइनस 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो पिछली रात से 1.6 डिग्री कम है। उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा में तापमान माइनस 4.2 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग में तापमान माइनस 1.2 डिग्री सेल्सियस रहा। उन्होंने बताया कि अमरनाथ यात्रा के आधार शिविर पहलगाम में तापमान एक डिग्री कम होकर माइनस 4.6 डिग्री सेल्सियस रहा।गुलमर्ग में तापमान 1.5 डिग्री बढ़कर ज़ीरो डिग्री सेल्सियस रहा। पुलवामा और शोपियां शहर जम्मू और कश्मीर में सबसे ठंडे स्थान रहे जहाँ तापमान माइनस 5.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

इस बीच जम्मू संभाग के जम्मू में न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री, बनिहाल में 2.4 डिग्री, बटोत में 5.7 डिग्री, कटरा में 9.5 डिग्री, भद्रवाह में 1.4 डिग्री, कठुआ में 7.2 डिग्री, जम्मू एयरपोर्ट पर 9.4 डिग्री, उधमपुर में 2.6 डिग्री, सांबा में 6.1 डिग्री, किश्तवाड़ में 4.9 डिग्री और डोडा में 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

लद्दाख में न्यूनतम तापमान जमाव बिंदू से कई डिग्री नीचे रहा। लेह में न्यूनतम तापमान माइनस 7.0 डिग्री, करगिल में माइनस 6.5 डिग्री नूबरा वैली में माइनस 5.8 डिग्री, द्रास में माइनस 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने कहा कि 12 दिसंबर तक मौसम आमतौर पर सूखा रहने की उम्मीद है और 13 से 15 दिसंबर तक उत्तर और मध्य कश्मीर के कुछ ऊँचे इलाकों में बहुत हल्की बर्फबारी की संभावना है।

राज टेक्सटाइल मार्केट में लगी आग पर 20 घंटे बाद पाया काबू

लाखों का समान जला

सूरत, एजेंसी। गुजरात के सूरत में राज टेक्सटाइल मार्केट में लगी आग पर आखिरकार फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 20 घंटे बाद पूरी तरह काबू पा लिया है। इस घटना में लाखों का सामान जलकर राख हो गया है। हालांकि, इस आग में कोई हताहत नहीं हुआ है। बुधवार की सुबह करीबन 7.15 बजे आग लगने की जानकारी मिली थी। इसके बाद दमकल की गाड़ियां यहां पर भेजी गईं। आग बहुत भयंकर थी, इसलिए अग्निशमन विभाग के कुल 17 फायर स्टेशनों से 15 वाटर टैंकर, एक बूम मॉनिटर, 4 मैन वाटर टैंकर, एक टर्नटेबल लैडर, 2 हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म, एक क्यूआरटी वाहन, एक फायर इंजन, एक बीए वैन और 3 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। आग बुझाने में कुल 4 उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी, 5 मंडल अधिकारी, एक अग्निशमन अधिकारी, 8 उप अधिकारी और अग्निशमन विभाग के 120 वरिष्ठ कर्मचारी शामिल थे। कुल 140 अधिकारी और कर्मचारी कार्य में जुटे रहे। इस बीच तीन फायर जवान बेहोश हो गए और एक जवान का पैर झुलस गया था। आग बुझाने और आग पर पूरी तरह से काबू पाने का अभियान लगभग 20 घंटे तक चला, जिसमें लगभग 20 लाख लीटर पानी की खपत हुई।डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर ईश्वर पटेल ने बताया कि मार्केट के लिफ्ट में शार्ट सर्किट के चलते आग लगी थी। लिफ्ट से आग सीधा सबसे ऊपरी मंजिलें तक चली गयी थी। यह आग पहले तीसरे मंजिलें पर थी। इसके बाद यह आग सातवें और आठवें मंजिलें पर पहुंच गई। हवा चलने के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। देर शाम तक आग कंट्रोल में आ गयी थी और रात ढाई बजे तक आग को सम्पूर्ण काबू में कर लिया गया था। व्यापारियों ने पैसेज में जरूरत से ज्यादा माल रखा हुआ है जिससे आग बुझाने में देरी हो रही थी। साथ ही डबल फ्लोर की दुकान होने के नाते पानी की बौछार नहीं पहुंच पा रही थी। इसके अलावा खिड़कियों पर जाली और ग्रिल के साथ कांच भी लगा रखा था जिससे स्मोक बाहर नहीं निकल पा रहा था और आग पर काबू पाने के लिए परेशानी हो रही थी।

स्कूटी सवार दो युवकों से चरस व अफीम बरामद

सोलन, एजेंसी। जिले के अंतर्गत कुनिहार में पुलिस ने बुधवार देर शाम स्कूटी सवार दो लोगों को चरस व अफीम की खेप के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना कुनिहार की टीम थाना क्षेत्र में अपराधों की रोकथाम के लिए गश्त पर मौजूद थी जिसे गुप्त सूत्रों से सूचना मिली कि कुफ्टू की तरफ से एक स्कूटी पर दो युवक कुनिहार की ओर आ रहे हैं । यह दोनों युवक नशीले पदार्थों के धंधे में संलिप्त हैं । सूचना मिलते ही पुलिस टीम द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए नाकाबंदी करके स्कूटी को रोककर चैक किया गया ढ्ढ चैकिंग के दौरान स्कूटी पर बैठे दो व्यक्तियों की तलाशी ली गई, जिसमें उनके कब्जे से 101 ग्राम अफीम व 407 ग्राम चरस बरामद हुई ।

पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान संजय कुमार (44) पुत्र शालिग राम निवासी गाँव काटल, तहसील अर्की जिला सोलन व राजकुमार उर्फ़ बाजी (42) पुत्र अमीचंद निवासी गाँव रॉ डाकखाना मंजू तहसील अर्की जिला सोलन के रूप में हुई है । उन्होंने बताया कि दोनों अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस थाना कुनिहार में केस दर्ज किया गया है ढ्ढ वीरवार को इन्हें अदालत में पेश कर दोनों आरोपियों के पूर्व अपराधिक रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है ।

ट्रम्प की हालिया नीतियों और बयानों से नैचुरलाइज्ड अमेरिकी नागरिक असुरक्षित

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हालिया नीतियों और बयानों ने नैचुरलाइज्ड अमेरिकी नागरिकों के बीच सुरक्षा और स्थायीत्व के पारंपरिक विश्वास को गंभीर रूप से हिला दिया है। लाखों प्रवासी-समुदायों में डर और अनिश्चितता का माहौल पैदा हुआ है। प्रवासी समुदायों में यह असुरक्षा की भावना निम्नलिखित नीतियों और राजनीतिक बयानों के कारण बढ़ी है, जैसा कि लेख में उल्लेख किया गया हैः ट्रम्प और उनकी टीम द्वारा जन्मसिद्ध नागरिकता को चुनौती देने के प्रस्तावों ने नागरिकता की आधारशिला पर सवाल खड़ा कर दिया। निर्वासन अभियानों को तेज करने की योजनाओं ने उन लोगों में डर पैदा किया जो कभी प्रवासी थे, भले ही अब वे नागरिक हों। नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के प्रस्तावों ने यह संदेह पैदा किया कि उनकी नागरिकता भविष्य में छीनी जा सकती है। गर्मियों में न्याय विभाग द्वारा एक नीति पर जोर दिया गया जिसमें उन लोगों की नागरिकता जल्द रद्द करने का प्रावधान है जिन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिम या गंभीर अपराधी माना जाता है। चुनावी अभियान के दौरान ट्रम्प द्वारा न्यूयॉर्क सिटी के मेयर-इलेक्ट ज़ोहरून ममदानी की नागरिकता को सार्वजनिक रूप से संदेह के घेरे में लाना, जिससे यह संदेश गया कि नैचुरलाइज्ड नागरिक भी राजनीतिक लक्ष्यों का निशाना बन सकते हैं। अमेरिकी नागरिकों को भी सीमा पर रोकने या पूछताछ की घटनाओं ने असुरक्षा की भावना को और बढ़ाया। दाउदा सेसे जैसे नैचुरलाइज्ड नागरिकों, जिन्होंने कानूनी प्रक्रिया पूरी करके नागरिकता प्राप्त की, अब महसूस कर रहे हैं कि उनकी नागरिकता राजनीतिक विचारधाराओं की रफ्तार पर निर्भर होती जा रही है। उनका मानना है कि जिस नागरिकता को उन्होंने स्थायी माना था, वह अब स्थायी नहीं, बल्कि राजनीतिक मौसम पर टिकी है। इतिहासकार भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि अमेरिका में नागरिकता की परिभाषा हमेशा राजनीतिक दबावों के साथ बदलती रही है–जैसे नस्ल के आधार पर नागरिकता रोकना या सुप्रीम कोर्ट द्वारा नागरिकता छीनना। वर्तमान स्थिति को देखते हुए, न्यू मैक्सिको की राज्य सीनेटर सिंडी नावा (जो कभी अवैध प्रवासी थीं) ने नैचुरलाइज्ड नागरिकों में इतनी गहरी बेचैनी पहले कभी नहीं देखी।

रूस-यूक्रेन युद्ध- सेंट पीटर्सबर्ग में भीषण धमाके

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में लगातार बढ़ते हमलों के बीच बुधवार रात एक बड़ा हादसा सेंट पीटर्सबर्ग में सामने आया। शहर के सबसे बड़े बाजार में अचानक कई जोरदार धमाके हुए, जिनकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई। इन धमाकों के बाद लगी भीषण आग में कई लोग घायल हो गए, जबकि एक व्यक्ति की जान चली गई। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार विस्फोटों की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पूरा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स आग की लपटों में घिर गया और लगभग पूरी तरह नष्ट हो गया। धमाकों के कारणों को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि शुरुआती रिपोर्टें बताती हैं कि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। एक महिला को धुएं में मौजूद कार्बन मोनोऑक्साइड के कारण सांस लेने में दिक्कत हुई, जबकि एक व्यक्ति आग से बचने के लिए दूसरी मंजिल से कूद गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में विशाल काले धुएँ के गुबार उठते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिनसे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आग कितनी भयानक थी। सुरक्षा एजेंसियां धमाकों के कारणों की जांच में जुटी हैं। इस घटना के कुछ ही समय बाद रूस की राजधानी मॉस्को में भी खतरे की स्थिति उत्पन्न हो गई। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि बुधवार रात एयर डिफेंस सिस्टम ने शहर की ओर बढ़ रहे कई ड्रोन्स को निशाना बनाकर मार गिराया। उनके अनुसार लगभग साढ़े तीन घंटे के भीतर कुल 31 ड्रोन्स को इंटरसेप्ट किया गया। दोपहर में भी एक ड्रोन को गिराया गया था। ड्रोन्स को नष्ट किए जाने के बाद इमरजेंसी टीमें मलबा इकट्ठा करने में जुट गईं। मेयर ने बताया कि इन ड्रोन हमलों में किसी भी प्रकार की जनहानि या संपत्ति को नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि एहतियातन एविएशन मंत्रालय ने मॉस्को के सभी हवाईअड्डों पर उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दीं और कई विमानों को सेंट पीटर्सबर्ग के पुलकोवो एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट कर दिया गया।यह घटनाएं ऐसे समय में हुई हैं जब मॉस्को में नाजी जर्मनी पर जीत की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक बड़े सैन्य परेड का आयोजन किया जा रहा है।

कोई भी क्षेत्र नहीं छोड़ेंगे, हम इसके लिए लड़ रहे हैं और लड़ते रहेंगे

कीव, एजेंसी। रूस के साथ समझौते के लिए बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कोई भी क्षेत्र छोड़ने से साफ इनकार किया है। यूक्रेन के लिए यूरोपीय समर्थन जुटाने का प्रयास कर रहे जेलेंस्की ने कहा कि निस्संदेह रूस इस बात पर जोर दे रहा है कि हम अपने क्षेत्र उसे सौंप दें। हम कुछ भी नहीं छोड़ना चाहते। हम इसके लिए लड रहे हैं और लडते रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने कहा है कि क्या हम कोई क्षेत्र छोड़ने पर विचार कर रहे हैं? क़ानून के मुताबिक हमारे पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है। यूक्रेन के कानून, हमारे संविधान, अंतरराष्ट्रीय कानून और, सच कहूं तो, हमारे पास नैतिक अधिकार भी नहीं है। वहीं एक इंटरव्यू में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से ज़ेलेंस्की पर अमेरिका के इस प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए दबाव डाला कि यूक्रेन रूस को अपना क्षेत्र सौंप दे।

जेलेंस्की ने मंगलवार को रोम के बाहर स्थित पोप निवास, कास्टेल गंडोल्फो में पोप लियो 14वें से मुलाकात की। वह इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी से भी बातचीत करेंगे। वेटिकन ने कहा कि पोप ने बातचीत जारी रखने की जरुरत दोहराई और वर्तमान राजनयिक पहल से न्यायपूर्ण एवं स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद जताई। जेलेंस्की ने लंदन में ब्रिटेन के पीएम केअर स्टारमर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ के साथ बातचीत की।

बता दें यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों ने क्षेत्र सौंपने के विचार का कड़ा विरोध किया है। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने देश भर में विभिन्न प्रकार के 110 ड्रोन दागे। अधिकारियों ने बताया कि वायु रक्षा प्रणाली ने 84 ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया। पूर्व के हमलों के कारण कई जगहों पर बिजली आपूर्ति बाधित रही। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रूस के कई क्षेत्रों और क्रीमिया में 121 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया।

प्रमिला जयपाल ने की ट्रंप टैरिफ की आलोचना समझाया- अर्थव्यवस्था के लिए भारतीय कितने जरूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में टैरिफ की वजह से हो रही व्यापारिक परेशानी और आव्रजन नीतियों को लेकर डेमोक्रेट्स राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमलावर हैं। कांग्रेस में भारतीय अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल ने राष्ट्रपति की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि टैरिफ बढ़ने से रोजी-रोटी खतरे में पड़ रही है। जयपाल ने अमेरिका में बढ़ती भारत विरोधी नफरत पर भी चिंता जताई और इस बात पर जोर दिया कि भारतीय अमेरिकी हमारी अर्थव्यवस्था के लिए बहुत जरूरी हैं। वे हमारे समाज का एक जरूरी हिस्सा हैं। वे बड़ी 500 कंपनियों के साथ-साथ स्टार्टअप चला रहे हैं। उन्होंने भारत-अमेरिका संबंधों के लिए एक अधिक सशक्त, मूल्य-आधारित और नवाचार-केंद्रित दृष्टि की जरूरतों पर जोर दिया। प्रमिला कांग्रेस में सेवा देने वाली पहली भारतीय अमेरिकन महिला हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे भारत में अपनी जड़ों पर बहुत गर्व है, जो मेरा जन्मस्थान है। उनकी मां अभी भी वहीं रहती हैं।' उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस की अकेली सदस्य हैं जो स्टूडेंट और एच-1बी वीजा दोनों पर रही हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि रोक लगाने वाली अप्रवासन नीति परिवारों और दोनों देशों के बीच व्यापार और रिश्तों को नुकसान पहुंचा रही है। जयपाल ने कहा कि उन्होंने भारतीय अमेरिकी उद्यमियों से सुना है कि टैरिफ बढ़ने से रोजी-रोटी खतरे में पड़ रही है। उनके जिले की एक पांचवीं पीढ़ी की कंपनी ने उन्हें बताया कि हाल की टैरिफ बढ़ोतरी 120 से ज्यादा सालों में उनके व्यापार के लिए सबसे बड़ा खतरा है। प्रमिला ने सरकार के तरीकों को आर्थिक रूप से दूर की न सोचने वाला और रणनीतिक रूप से नुकसानदायक बताया। प्रमिला ने भारतीय सामानों पर 50 फीसदी टैरिफ लागू करने को लेकर भी ट्रंप सरकार की आलोचना की। कैलिफोर्निया के डेमोक्रेट और कांग्रेस के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले भारतीय अमेरिकी सदस्यों में से एक, अमी बेरा ने भारत और अमेरिका के संबंधों के पीछे दोनों पार्टियों के समर्थन की गहराई पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि उन्होंने हाल ही में एक द्विपक्षीय (डेमोक्रेट और रिपब्लिकन) संयुक्त प्रस्ताव पेश किया है। इसका मकसद यह दिखाना है कि पिछले तीन दशकों से राष्ट्रपति क्लिंटन से लेकर राष्ट्रपति बुश, राष्ट्रपति ओबामा, राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल से लेकर राष्ट्रपति बाइडेन तक अमेरिका की भारत को लेकर रणनीति लगातार एक ही दिशा में आगे बढ़ी है। संदेश साफ है कि अमेरिका और भारत दोनों सुरक्षा, शांति और खुशहाली का माहौल चाहते हैं। बेरा ने कहा कि उनके हालिया भारत दौरे ने एक परिपक्व रणनीतिक तालमेल पर जोर दिया। उन्होंने भारतीय अधिकारियों, बिजनेस लीडर्स, और मिलिट्री अधिकारियों के साथ बातचीत के बारे में बताया और कहा कि उनका अंदाजा था कि भारत उनके लॉन्ग-टर्म इंटरेस्ट को समझता है।

पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने 686 मिलियन डॉलर देगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी कांग्रेस को पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने के लिए 686 मिलियन डॉलर की प्रस्तावित हथियार बिक्री की सूचना दी है। इसमें यह पैकेज 30-दिन की अनिवार्य समीक्षा अवधि में पहुंच गया है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन के इस कदम ने वैश्विक स्तर पर हलचल बढ़ा दी है। रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) ने हाउस स्पीकर माइक जॉनसन, सीनेट विदेश संबंध समिति के चेयरमैन जेम्स रिश और हाउस विदेश मामलों की समिति के चेयरमैन ब्रायन मास्ट को इस संबंध में सूचना दी है। डीएससीए ने पत्रों में कहा कि अमेरिकी वायुसेना पाकिस्तान को करीब 686 मिलियन डॉलर की रक्षा सामग्री और सेवाओं के लिए लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस (एलओए) जारी करने वाली है, जिसकी अनुमानित लागत 686 मिलियन डॉलर है। प्रस्तावित पैकेज में 37 मिलियन डॉलर के प्रमुख रक्षा उपकरण (एमडीए) और 649 मिलियन डॉलर के अतिरिक्त हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और लॉजिस्टिकल सपोर्ट शामिल हैं। एमडीए सूची में 92 लिंक-16 टेक्निकल डेटा लिंक सिस्टम भी शामिल हैं। यह एक जैम-प्रतिरोधी डिजिटल नेटवर्क है, जिसका उपयोग अमेरिकी और सहयोगी सेनाएं वास्तविक समय में युद्धक्षेत्र की जानकारी शेयर करने के लिए करती हैं। छह एमके-82 इनर्ट के अलावा 500-पाउंड बम बॉडी भी शामिल हैं, जो बिना गाइड वाले और कम ड्रैग वाले प्रशिक्षण हथियार हैं। इनका इस्तेमाल विशेष रूप से इंटीग्रेशन और रिलीज परीक्षण के लिए किया जाता है। इस डील में कई तरह की गैर-एमडीए वस्तुएं भी शामिल हैं, जिसमें एवियोनिक्स अपडेट, ऑपरेशनल फ्लाइट प्रोग्राम संशोधन, सुरक्षित संचार प्रणाली, आइडेंटिफिकेशन फ्रेंड या फो इक्विपमेंट, क्रिप्टोग्राफिक एप्लीक, मिशन-प्लानिंग सिस्टम, परीक्षण उपकरण, स्पेयर पार्ट्स, ट्रेनिंग डिवाइस, सिमुलेटर, पब्लिकेशन और कॉन्ट्रैक्टर इंजीनियरिंग और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि ये अपग्रेड पाकिस्तान को अपने ब्लॉक-52 और मिड-लाइफ अपग्रेड एफ-16 बेड़े को आधुनिक बनाने में मदद करेगा। नोटिस में कहा गया है कि यह डील अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को सपोर्ट करेगी। इससे आतंकवाद विरोधी अभियानों में पाकिस्तान अमेरिकी और सहयोगी सेनाओं के साथ मिलकर काम करना जारी रख पाएगा। नोटिफिकेशन में बताया गया कि नवीनीकरण से विमानों की उम्र 2040 तक बढ़ जाएगी और महत्वपूर्ण उड़ान सुरक्षा चिंताओं का समाधान होगा। भारत की लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को ध्यान में रखते हुए नोटिफिकेशन में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यह बिक्री क्षेत्र में मूल सैन्य संतुलन को नहीं बदलेगी।

10 लाख पेड़ों की कटाई का विवाद गहराया, सुलियारी कोल ब्लॉक पहुंची कांग्रेस जांच दल को पुलिस ने रोका

जीतू पटवारी बोले- सिंगरौली को भारत के अंदर पाकिस्तान बना दिया गया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। अडानी समूह को आवंटित सुलियारी/घिरौली कोल ब्लॉक में बड़े पैमाने पर हो रही पेड़ों की कटाई को लेकर मध्यप्रदेश की राजनीति गरमाई हुई है। लगभग 6 लाख से अधिक पेड़ों की संभावित कटाई के विरोध में आदिवासी व स्थानीय ग्रामीणों का आंदोलन जारी है। इसी मुद्दे को लेकर बुधवार को प्रदेश कांग्रेस का 12 सदस्यीय उच्च स्तरीय जांच दल सिंगरौली पहुंचा जिसका नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी कर रहे थे। लेकिन कांग्रेस नेताओं को जंगल में प्रवेश से पहले ही पुलिस-प्रशासन ने रोक दिया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने यहीं गेट पर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया।

पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को जंगल में जाने से रोका: कांग्रेस जांच दल जैसे ही सुलियारी कोल ब्लॉक के कटाई क्षेत्र की ओर बढ़ा, वहां पहले से तैनात भारी पुलिस बल ने बैरिकेडिंग करके रास्ता रोक दिया। कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन से बार-बार आग्रह किया कि वे ग्रामीणों से मिलकर वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करना चाहते हैं लेकिन अधिकारियों ने अनुमति देने से साफ इनकार कर दिया।

पुलिस की इस कार्रवाई से आक्रोशित प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा: सिंगरौली को भारत के अंदर पाकिस्तान बना दिया गया है। यहां ऐसा माहौल कर दिया गया है जैसे यह देश का हिस्सा ही न हो। 5 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी जंगल के चारों ओर तैनात हैं। 10 लाख पेड़ काटे जा रहे हैं और जनता की आवाज कुचली जा रही है। देश अडानी को बेच दिया गया। पटवारी ने आरोप लगाया कि प्रशासन कंपनी के दबाव में जनता और विपक्ष दोनों की आवाज दबा रहा है।

धरने पर बैठे कांग्रेस नेता पुलिस अधिकारियों से नहीं सुनी गई बात: गेट पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा कारणों से कांग्रेस जांच दल को कोर कटाई क्षेत्र में नहीं जाने दिया जा सकता। इस पर कांग्रेस नेताओं ने वहां ही जमीन पर बैठकर शांतिपूर्ण धरना शुरू कर दिया। धरने में प्रदेश अध्यक्ष के साथ नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन पूर्व मंत्री अजय सिंह राहुल कमलेश्वर पटेल हेमंत कटारे हिना कांवरे राजेंद्र सिंह विधायक विक्रांत भूरिया जयवर्धन सिंह ओमकार मरकाम बाला बच्चन समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

प्रशासन बोला नेताओं का जंगल में जाना सुरक्षित नहीं: अधिकारियों ने जांच दल को रोकने के निर्णय का बचाव करते हुए कहा कि कटाई स्थल के आसपास स्थिति संवेदनशील है और यह पूरा क्षेत्र सुरक्षा के लिहाज से नियंत्रित जोन में है। प्रशासन के अनुसार नेताओं का जंगल में जाना सुरक्षित नहीं है, इसलिए उन्हें वहीं रोकना पड़ा। हालांकि कांग्रेस ने इसे बहाना बताते हुए कहा कि प्रशासन जानबूझकर विपक्ष को सच जानने से रोक रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों का भी आरोप हमारी आवाज दबाई जा रही है: कांग्रेस जांच दल को रोकने की घटना ऐसे समय हुई है जब बासी बेरदह सहित आसपास के गांवों के ग्रामीण पिछले कई दिनों से पेड़ों की कटाई और विस्थापन के विरोध में आंदोलनरत हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हम शांतिपूर्ण विरोध कर रहे हैं लेकिन प्रशासन हम पर झूठे मुकदमे बना रहा है। कंपनी के खिलाफ शिकायतों पर कोई एफआईआर नहीं होती। कई ग्रामीणों पर बीएनएस की धारा में शांति भंग की आशंका में मामला दर्ज कर 25,000 रुपए का बॉन्ड भरवाया गया है। कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उनसे कलेक्टर कार्यालय में धोखे से कागजों पर हस्ताक्षर करवाए गए।

परियोजना के कारण 6 लाख से अधिक पेड़ कटने की आशंका: वन विभाग के दस्तावेज बताते हैं कि कोल ब्लॉक के लिए कुल 1397 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित होनी है जिसमें 1335 हेक्टेयर घना वन क्षेत्र है। इस क्षेत्र में 5,70,666 से अधिक पेड़ मौजूद हैं। पहले चरण में 33,000 पेड़ काटे जाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सार्वजनिक विरोध को देखते हुए भी कटाई जारी है जबकि भारी पुलिस बल ने पूरे क्षेत्र को छावनी में बदल दिया है।

प्रशासनिक चुप्पी गहराई, राजनीतिक टकराव तेज: सिंगरौली कलेक्टर गौरव बेनल ने इस मामले में किसी भी टिप्पणी से इनकार किया। एसपी मनीष खत्री ने भी पुलिस की तैनाती के संबंध में जानकारी देने से मना कर दिया। भारी पुलिस तैनाती लाखों पेड़ों की कटाई, ग्रामीणों का संघर्ष और अब विपक्ष का तीखा विरोध सिंगरौली का सुलियारी कोल ब्लॉक देशभर में पर्यावरण प्रशासनिक पारदर्शिता और लोकतांत्रिक अधिकारों पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है।

उप निर्वाचन 2025- मझौली क्षेत्र में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर कड़ी पाबंदी, अनुमति अनिवार्य

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी ने उप निर्वाचन 2025 (उत्तरार्द्ध) की घोषणा के साथ आदर्श आचरण संहिता लागू होने पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग को नियंत्रित करने संबंधी आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान अनियंत्रित ध्वनि प्रदूषण से आम नागरिक, विशेषकर छात्र, रोगी और वृद्धजन अत्यधिक प्रभावित होते हैं। इसलिए अभिव्यक्ति के अधिकार के साथ-साथ जनसुविधा और शांति बनाना भी उतना ही आवश्यक है।

मझौली नगर परिषद क्षेत्र में चुनाव अवधि के दौरान शांति बनाए रखने एवं ध्वनि प्रदूषण नियंत्रित करने हेतु म.प्र. कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 तथा म.प्र. ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम 2000 के तहत आदेश प्रभावी किया गया है। आदेशानुसार कोई भी अभ्यर्थी, चुनाव एजेंट, दल के सदस्य अथवा समर्थक बिना विहित अधिकारी की अनुमति के 31 दिसम्बर 2025 तक ध्वनि विस्तारक यंत्र या लोक संबोधन प्रणाली का उपयोग नहीं कर सकेगा। इसके अतिरिक्त रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

कुएं में गिरने से बच्चे की मौत, टीआई बोले सुरक्षा घेरा होता तो टल सकता था हादसा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बेतरिया में बुधवार रात रोहित कुमार13 की कुएं में गिरने से मौत हो गई। रोहितए सूरज लाल यादव 32 का इकलौता बेटा था। शुरुआती जानकारी के अनुसारए रोहित दूसरे बच्चों के साथ गांव में खेल रहा थाए तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह एक खुले कुएं में जा गिरा। घटना की सूचना मिलते ही बधोरा चौकी प्रभारी बीण्एलण् बंसल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से देर रात रोहित के शव को कुएं से बाहर निकाला गया। चौकी प्रभारी बंसल ने बताया कि बच्चे के साथ खेलते समय नाबालिग का संतुलन बिगड़ने से कुएं में गिर गया। उन्होंने यह भी कहा कि

यदि कुएं के चारों ओर सुरक्षा घेरा होता तो शायद यह दुर्घटना टाली जा सकती थी। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से गांव में स्थित सभी खुले कुओं पर सुरक्षा जाल और चारदीवारी लगाने की मांग की हैए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है

नायब तहसीलदार ने 103 बुजुर्गों को बांटे कंबल कहा, दफ्तरों से बाहर आकर समाज में काम जरूरी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम कोटा में कड़ाके की ठंड के बीच तहसीलदार आशीष मिश्रा और नायब तहसीलदार महेंद्र द्विवेदी ने जरूरतमंद लोगों को कंबल बांटे। दोनों अधिकारी खुद गांव पहुंचे और गरीबए असहाय और बुजुर्ग लोगों को अपने हाथों से कंबल वितरित किए। गांव में उनकी इस पहल की खूब सराहना हो रही है। ग्राम कोटा में समाजसेवी पिछले 12 साल से हर सर्दी में कंबल वितरण का काम करते आ रहे हैं। इस साल गुरुवार को हुए कार्यक्रम में तहसीलदार और नायब तहसीलदार की मौजूदगी से यह अभियान और ज्यादा प्रभावी हो गया।

इस दौरान कुल 103 बुजुर्गों को गर्म कंबल दिए गए। 103 बुजुर्गों को गर्म कंबल दिए गए। 12 सालों से बांटे जा रहे कंबल तहसीलदार आशीष मिश्रा ने ग्रामीणों से कहा कि ठंड का समय गरीब और बुजुर्ग लोगों के लिए बहुत मुश्किल होता है। ऐसे में समाज और प्रशासन दोनों का कर्तव्य है कि जरूरतमंदों की मदद की जाए। उन्होंने इसे सामाजिक संवेदनशीलता का अच्छा उदाहरण बताया। नायब तहसीलदार महेंद्र द्विवेदी ने कहा कि सरकारी काम केवल दफ्तरों तक सीमित नहीं हैए बल्कि समाज के बीच जाकर उनकी समस्याएं समझना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि समाजसेवियों का 12 साल से लगातार चल रहा यह प्रयास सराहनीय है।

इस कार्यक्रम में एडवोकेट अजय भारतीए बैधनाथ पाण्डेयए कुणाल पाण्डेयए रूपेश सिंहए पीयूष पांडेए सचिन निगमए अरविन्द पाण्डेय और कई ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने अधिकारियों की मानवीय पहल की तारीफ की।

सब्जी और प्रेस दुकान जलकर राख, 80 से ज्यादा जोड़े कपड़े जलेए फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने पाया काबू

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल के सोहागपुर थाना क्षेत्र के भूसा तिराहे के पास स्थित दो दुकानों में अज्ञात बदमाशों ने आग लगा दी। इस घटना में दोनों दुकानें जलकर राख हो गईं और उनमें रखा हजारों रुपए का सामान नष्ट हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुकानदारों को घटना की जानकारी गुरुवार सुबह तब मिलीए जब वे अपनी दुकानें खोलने पहुंचे। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। सब्जी विक्रेता कमलेश यादव ने बताया कि वह ठेला नुमा दुकान चलाता है। बुधवार रात करीब 11 बजे वह अपनी दुकान बंद करके घर चला गया था। गुरुवार सुबह लगभग 8 बजे जब वह दुकान पहुंचाए तो उसमें आग लगी हुई थी। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू: कमलेश यादव ने देखा कि उसकी दुकान के बगल में स्थित बेचू रजक की प्रेस धोबी की दुकान भी जल रही थी। उसने तुरंत आस.पड़ोस के लोगों को बुलाया और दमकल कर्मियों को सूचना दी। दमकल की दो गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सके। बेचू रजक ने बताया कि उनकी प्रेस की दुकान में ग्राहकों के 80 से अधिक जोड़े कपड़े प्रेस के लिए रखे थे।

उमाकांत की कोचिंग में बेटियां सीख रहीं बास्केट बॉल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बेटियों का बड़ा सपनारू उमाकांत की कोचिंग में चमक रहा टैलेंट सिंगरौली कन्या महाविद्यालय परिसर में स्थित बास्केटबॉल कोर्ट पर 15 बच्चियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का सपना संजोए प्रशिक्षण ले रही हैं। चौथी कक्षा की शिवानी सिंह और तीसरी की वेदिका चतुर्वेदी जैसी ये बच्चियां राष्ट्रीय महिला जूनियर बास्केटबॉल टीम के हेड कोच डॉण् उमाकांत के मार्गदर्शन में हर दिन अभ्यास करती हैं। उमाकांत कन्या महाविद्यालय में स्पोर्ट्स ऑफिसर भी हैं।

एकलव्य विद्यालय परिसर में फिर घुसा भालू टमसार के स्कूल में दो दिन में दूसरी घटना वन विभाग ने जारी किया अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम टमसार में एकलव्य आवासीय स्कूल में बुधवार शाम एक बार फिर भालू घुस आया। लगातार दो दिनों में भालू के दोबारा परिसर में पहुंचने से छात्रावास में रह रहे 170 बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। घटना की सूचना वन विभाग को दे दी गई है और क्षेत्र में अलर्ट जारी कर दिया गया है। दो दिन में दूसरी बार परिसर में पहुंचा भालू ।

इससे पहले सोमवार को भी भालू पहली बार स्कूल की बाउंड्री कूदकर छात्रावास परिसर तक पहुंच गया था। अचानक भालू को देखकर बच्चे और स्टाफ डरकर इधर.उधर भागने लगे थे। मंगलवार को वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी और काफी प्रयासों के बाद भालू को जंगल की तरफखदेड़ा गया था। लेकिन बुधवार शाम करीब 6:30 बजे वही भालू दोबारा बाउंड्री फांदकर परिसर में आ गया।

70 नग नशीली कफ सिरप के दो युवक गिरफ्तार, शहडोल की बुढ़ार पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा; आरोपियों पर मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। बुढ़ार पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार पर कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 70 नग नशीली कफसिरप जब्त की बुढ़ार थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो युवक नशीली कफसिरप बेचने की फिराक में घूम रहे हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर संदिग्धों को रोका।

तलाशी के दौरान मिली 70 नग ऑनरेक्स कफ सिरप पूछताछ के दौरान युवकों के घबराने पर पुलिस ने उनकी तलाशी ली। तलाशी में उनके पास से 70 नग ऑनरेक्स कफ सिरप बरामद हुई।

यह कफसिरप नशे के लिए इस्तेमाल होने वाला एक प्रतिबंधित पदार्थ है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनिल गुप्ता ;28वर्ष निवासी वार्ड क हाथी डोलए और सानू उर्फ शमशाद ; 36 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक.15 टॉकीज रोड धनपुरी के रूप में हुई है। जब्त की गई कफ सिरप एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत आती है। इसलिए दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने नशीली दवाओं की सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस के अनुसारए क्षेत्र में नशे के कारोबार बढ़ने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं।

इसके बाद पुलिस ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने आम जनता से भी अपील की है । कि यदि उन्हें कहीं भी नशे के अवैध कारोबार की जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करें।

नेशनल लोक अदालत में 22 खंडपीठों द्वारा होगा प्रकरणों का निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2025 की चौथी एवं अंतिम लोक अदालत का आयोजन 13 दिसंबर को जिला मुख्यालय सीधी तथा तहसील चुरहट, मझौली एवं रामपुर नैकिन में किया जायेगा। जिला मुख्यालय सीधी में प्रात: 10:30 बजे स्थानीय ए.डी.आर. भवन जिला न्यायालय परिसर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष प्रयाग लाल दिनकर द्वारा नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया जायेगा। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु 22 न्यायिक खंडपीठों का गठन किया गया है। जिला न्यायालय सीधी में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दीपक शर्मा, विशेष न्यायाधीश यतीन्द्र कुमार गुरू, द्वितीय जिला न्यायाधीश मनीष कुमार श्रीवास्तव, प्रथम जिला न्यायाधीश राकेश कुमार सोनी, तृतीय जिला न्यायाधीश रवीन्द्र कुमार शर्मा, प्रथम जिला न्यायाधीश सीधी के न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश उर्मिला यादव, प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुनीता रावत, न्यायिक मजिस्ट्रेट सोनू जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट सरिता चौधरी, न्यायिक मजिस्ट्रेट कपिल देव काछी, न्यायिक मजिस्ट्रेट मृदुल लटौरिया, न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिषेक साहू एवं श्रम न्यायालय के प्रकरणों का निराकरण हेतु श्रम न्यायाधीश सुशील गहलोत की न्यायिक खंडपीठ का गठन किया गया है। सिविल न्यायालय चुरहट में न्यायिक मजिस्ट्रेट लालता सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट वर्षा भलावी, न्यायिक मजिस्ट्रेट विजया विश्वकर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल त्रिपाठी एवं सिविल न्यायालय मझौली में न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवांगी सिंह परिहार, न्यायिक मजिस्ट्रेट रूची परते तथा सिविल न्यायालय रामपुर नैकिन में न्यायिक मजिस्ट्रेट परमानंद सनोडिया एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट अरहम खान की खंडपीठों का गठन किया गया है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे ने नेशनल लोक अदालत के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि न्यायालय में लंबित सिविल, आपराधिक, मोटर दुर्घटना दावा, चेक बाउंस, श्रम विवाद, पारिवारिक विवाद, विद्युत, भूमि अधिग्रहण एवं अन्य मामलों के साथ साथ जलकर व बिजली के बिल संबंधी प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण कराया जायेगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर ने आमजन से अपील की है कि न्यायालय में राजीनामा योग्य लंबित प्रकरणों का निराकरण 13 दिसंबर को आयोजित नेशनल लोक अदालत में कराये तथा विवाद-विहीन समाज की संकल्पना को पूर्ण करने में सहयोग प्रदान करें।

न्यायालय परिसर में अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्य कर्मचारियों को आग से बचाव के लिए दिया फायर डेमो ट्रेनिंग

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिला और सत्र न्यायालय परिसर में अग्नि सुरक्षा को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देश पर हुए इस फायर डेमो और सुरक्षा प्रशिक्षण में न्यायालय कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में सतर्क रहने और उचित प्रतिक्रिया देने का ट्रेनिंग दिया गया। इस अवसर पर सीजेएम राजेंद्र सिंह श्रृंगार विशेष रूप से उपस्थित रहे । दौरान फायरकर्मी मुनेश शर्मा ने आग की बुनियादी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग किन परिस्थितियों में भड़कती ह इसके विभिन्न प्रकार क्या हैं और शुरुआती क्षणों में किन सावधानियों से बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। शर्मा ने लापरवाहीए शॉर्ट सर्किट और ज्वलनशील पदार्थों के गलत उपयोग को आग लगने के प्रमुख कारण बताया। फछप निर्वाचन 2025 - मझौली क्षेत्र में हथियार लेकर सार्वजनिक स्थानों पर आने-जाने पर प्रतिबंध, 31 दिसम्बर तक लागू रहेगी। दण्डाधिकारी स्वरोचिष सोमवेशी ने उप निर्वाचन वर्ष 2025 (उत्तरार्द्ध) के दौरान शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने हेतु मझौली नगर परिषद क्षेत्र में हथियारों के उपयोग और प्रदर्शन पर कड़ी निषेधाज्ञा जारी की है।

जारी आदेश के अनुसार नगरीय निकायों के उप निर्वाचन-2025 (उत्तरार्द्ध) के दौरान कोई भी व्यक्ति मझौली नगर परिषद क्षेत्रांतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार का आग्नेय शस्त्र, विस्फोटक एवं अन्य घातक पदार्थ तथा हथियार जैसे तलवार, बल्लम, फर्सा, भाला, कटार, छुरी, गुप्ती, लाठी आदि लेकर न तो स्वयं चलेगा न ही किसी को ऐसा करने हेतु उत्प्रेरित करेगा और न ही इकट्ठा करेगा। कोई भी व्यक्ति मतदान केन्द्र के 200 मीटर की परिधि के भीतर किसी भी प्रकार से ईटों, पत्थर, रोड़े आदि एकत्र नहीं करेगा न ही किसी को ऐसा करने हेतु उत्प्रेरित ही करेगा। यह प्रतिबंध अर्द्धसैनिक बल, पुलिस बल, नगर सैनिक बल, सीमा सुरक्षा बल तथा बैंक और सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में नियुक्त सुरक्षा कर्मियों पर लागू नहीं होगा। तत्काल प्रभाव 31 दिसम्बर 2025 की रात्रि 12 बजे तक लागू रहेगी।

अब 12 साल से कम उम्र के बच्चे भी ले रहे हैं नशा, एस की रिपोर्ट में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

संपादकीय

बच्चों में आमतौर पर नई चीजों को जानने-समझने और परखने की जिज्ञासा होती है। ऐसे में अगर वे नशे का सेवन करने वाले किसी साथी या अन्य व्यक्ति के संपर्क में रहते हैं, तो उन्हें भी यह लत लगने का खतरा बना रहता है। इसके अलावा मानसिक दबाव और तनाव भी बच्चों को नशे के जाल में धकेल सकता है। देश भर में हाल में किए गए एक अध्ययन में इन पहलुओं को उजागर किया गया है। दिल्ली एम्स के शोधकर्ताओं ने कुछ अन्य शोधार्थियों के साथ मिलकर यह अध्ययन किया, जिसमें पाया गया कि स्कूली छात्रों के बारह साल या इससे कम उम्र में ही नशे की जद में आने का जोखिम बना रहता है। इसका मुख्य कारण आज के दौर में बच्चों का नशीले पदार्थों तक आसानी से पहुंच है। सवाल है कि इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है? शहर से लेकर गांव तक नशे का जो काला कारोबार फैल रहा है, उसे रोकने के प्रयास जमीनी स्तर पर कारगर साबित क्यों नहीं हो पा रहे हैं?

दरअसल, एम्स का यह अध्ययन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, बंगलुरु और हैदराबाद समेत देश के दस शहरों एवं उनके आसपास के ग्रामीण इलाकों में किया गया। इसमें सरकारी और निजी स्कूली के छात्रों को शामिल किया गया। इस दौरान पंद्रह फीसद छात्रों ने कम से कम एक बार नशीले पदार्थों का सेवन करने की बात स्वीकार की, जबकि दस फीसद ने पिछले एक वर्ष में मादक पदार्थ लेने की बात कही। इससे पता चलता है कि बारह वर्ष या उससे कम उम्र में भी बच्चे नशे का शिकार हो रहे हैं।

अध्ययन के दौरान एक महत्त्वपूर्ण पहलू यह भी सामने आया कि कई बार बच्चे पारिवारिक कलह से उपजे तनाव को कम करने के लिए भी नशीले पदार्थों का सहारा लेते हैं। इससे स्पष्ट है कि बच्चों की मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए पारिवारिक माहौल का स्वस्थ होना कितना जरूरी है। अभिभावकों की यह भी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों के साथ नियमित संवाद करें तथा उन्हें सही और गलत का बोध कराएं। साथ ही शासन-प्रशासन को भी चाहिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए उसकी जड़ों पर प्रहार किया जाए।

मध्य प्रदेश में औद्योगिक उछाल और नई आर्थिक दृष्टि

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

13 दिसंबर 2023 को जब डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के 19वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, तब प्रदेश एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा था। जनता अरसे से ऐसी नेतृत्व शक्ति की प्रतीक्षा में थी जो विकास को स्थायी नीति और जमीन पर दिखने वाले परिवर्तन के रूप में स्थापित करे। भाजपा ने उस समय जो निर्णय लिया, वह आज दो वर्षों बाद अधिक सार्थक प्रतीत होता है। मुख्यमंत्री के तौर पर डॉ. यादव ने यह प्रमाणित किया है कि मजबूत इच्छाशक्ति, निर्णायक प्रशासन और विकास के प्रति सच्ची प्रतिबद्धता हो तब परिवर्तन अनिवार्य रूप से संभव हो जाता है। लोककल्याणकारी राज्य की जो परिकल्पना भारतीय राजनीति का मार्गदर्शक रही है, उसे वास्तविक अर्थों में मूर्त रूप देने की दिशा में इन दो वर्षों में मध्य प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। डॉ. मोहन यादव ने सत्ता संभालते ही प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यह स्पष्ट है कि वे आर्थिक स्फूर्ति को राज्य की नई पहचान बनाना चाहते हैं। सरकार के शुरुआती दिनों में ही जिस तेजी से कदम उठाए गए, उसने निवेशकों और उद्योग जगत में नया विश्वास पैदा किया। सत्ता संभालने के मात्र छह महीनों के भीतर केनङ्केबेतवा नदी जोड़ परियोजना के लिए त्रिपक्षीय समझौता सम्पन्न करना यह साबित करता है कि सरकार इरादे में भी स्पष्ट थी और कार्यशैली में भी। यह परियोजना आने वाले वर्षों में बुंदेलखंड जैसे अति पिछड़े और सूखा प्रभावित क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

विकास के नए मॉडल का सबसे बड़ा संकेत वह ऐतिहासिक फैसला है, जिसके तहत सेहोर जिले की आष्ठ तहसील में लगभग 60,000 करोड़ रुपये की एथेन क्रैकर परियोजना को मंजूरी दी गई। यह मध्य प्रदेश के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है। वहीं, पूरे देश के पेट्रोकेमिकल सेक्टर में भी महत्वपूर्ण ठहरती है। इस परियोजना से रोजगार के हजारों अवसर निर्मित होंगे, साथ ही प्रदेश को औद्योगिक मानचित्र पर एक नए केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी यह बड़ा कदम है। यह परियोजना संकेत देती है कि सरकार छोटे निवेशों के साथ ही उच्च-स्तरीय औद्योगीकरण को लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ रही है।

इन दो वर्षों में सरकार ने नीति निर्माण को भी एक सतत प्रक्रिया की तरह व्यवस्थित किया। वर्ष 2025 में औद्योगिक संवर्धन नीति का नया संस्करण लागू किया गया, जिसने निवेशकों को अनेक सुविधाएं दीं, उन्हें यह भरोसा दिलाया कि मप्र अब प्रतिस्पर्धी राज्यों की कतार में मजबूती से खड़ा है। टेक्सटाइल, फार्मा, बायोटेक, ईवी, रक्षा उद्योग जैसे आधुनिक क्षेत्रों को प्रोत्साहन देने वाली नीतियाँ इसी सोच का परिणाम है। साथ ही मोहन सरकार ने नीतियों के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुधार किया, अनुमति प्रणाली को सरल बनाया और निवेशकों के लिए सिंगल विंडो प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया है।

इस दौरान राज्य में औद्योगिक भूमि आवंटन को भी पहले से कहीं अधिक सुव्यवस्थित और तेज बनाया गया। औद्योगिक पार्कों का विस्तार, स्किल पार्कों की स्थापना, क्लस्टर विकास और परिवहन-सुविधाओं का आधुनिकीकरण इन सभी पर समान रूप से ध्यान दिया जा रहा है। डॉ. मोहन यादव कई अवसरों पर कहते भी दिखे हैं कि औद्योगिक विकास केवल पूंजी निवेश से नहीं होता; उसके लिए अनुकूल वातावरण, त्वरित प्रशासनिक समर्थन और मानव संसाधन की उपलब्धता भी उतनी ही आवश्यक होती है।

यही कारण भी है जो आज मप्र एमएसएमई क्षेत्र में भी इन दो वर्षों में नीति-सुधार और सरकारी समर्थन से नई गति पकड़ता दिखाई देता है। कहना होगा कि लघु और मध्यम उद्योग रोजगार सृजन का प्रमुख आधार हैं, यह ग्रामीण-शहरी आर्थिक संतुलन के भी महत्वपूर्ण वाहक हैं। सरकार ने इन उद्योगों को ब्याज छूट, कर-रियायत, सब्सिडी और सरल प्रक्रियाओं का लाभ देकर यह सुनिश्चित किया कि वे वैश्विक और राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकें। टेक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहन मिलने से बड़ी संख्या में युवाओं, विशेषकर महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर विकसित हुए हैं।

भारत सरकार द्वारा कर्मचारियों की रिटायरमेंट आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने पर गंभीरता से संभावित विचार किए जाने की हालिया जानकारी ने पूरे देश की मीडिया में एकव्यापक बहस को जन्म दे दिया है। यह मुद्दा केवल सरकारी व्यवस्था या नौकरशाही तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के विशाल श्रम बाजार, आर्थिक संरचना, पेंशन प्रणाली, युवाओं की रोजगार संभावनाओं और कार्यस्थल की दीर्घकालिक नीतियों पर गहरा प्रभाव डालता है।वैश्विक संदर्भ में भी कई देशों ने बढ़ती उम्र,जीवन प्रत्याशा और पेंशन-भार को देखते हुए रिटायरमेंट आयु में बदलाव किए हैं। ऐसे में भारत का यह कदम न केवल अपरिहार्यता का संकेत है, बल्कि एक परिवर्तनशील सामाजिक- आर्थिक ढांचे की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत भी देता है।

भारत अनुभवी व युवा मानव संसाधन के संतुलन से वैश्विक स्तरपर कार्यकुशलता का एक संभावित नया मॉडल भी प्रस्तुत कर सकता है

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि केंद्रीय सरकार के स्तरपर रिटायरमेंट की उम्र को 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष करने का विचार महज़ किसी एक प्रशासनिक या वित्तीय गणना का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई व्यापक कारण मौजूद हो सकते हैं?पिछले एक दशक में भारत में जीवन प्रत्याशा लगातार बढ़ी है, वरिष्ठ कर्मचारियों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ है और कई क्षेत्रों में अनुभव -आधारित कार्य-प्रदर्शन की मांग बढ़ी है। जिन देशों में जनसंख्या वृद्ध हो रही है,वहां रिटायरमेंट आयु में बढ़ोतरी आम हो चुकी है,जैसे फ्रांस, जापान, जर्मनी, अमेरिका और चीन। भारत में भी यह मुद्दा लंबे समय से चर्चा में रहा है, क्योंकि देश की कार्यबल संरचना में तेजी से बदलाव हो रहा है।इसके अलावा, सरकार पर पेंशन-व्यय और सामाजिक-सुरक्षा योजनाओं का बोझ बढ़ता जा रहा है। एक बड़ी संख्या में कर्मचारी अगले 10-15 वर्षों में रिटायर होने वाले हैं। यदि एक साथ भारी संख्या में कर्मचारी सेवानिवृत्त होते हैं, तो इससे न केवल सरकारी व्यय में उछाल आता है,बल्कि अनुभवी मानव- संसाधन की कमी भी पैदा होती है। इसी संदर्भ में रिटायरमेंट आयु दो वर्ष बढ़ाने का प्रस्ताव कई स्तरों पर महत्त्वपूर्ण और तार्किक प्रतीत होता है।यह आर्टिकल सोशल मीडिया में चल रही तार्किक बस पर आधारित है सटीकता सेकोई भी संबंध नहीं है।

साथियों बात कर हम सरकार का प्रस्ताव=60 से 62 वर्ष रिटायरमेंट आयु एक नीतिगत परिवर्तन इसको समझने की करें तो, सरकार द्वारा संकेत दिए गए संभावित प्रस्ताव में रिटायरमेंट आयु को 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने की संभावना जताई गई है। यह प्रस्ताव केंद्रीय कर्मचारियों, राज्यों के कर्मचारियों,सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मचारियों, और कई अर्ध-सरकारी संस्थाओं कोप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करेगा।सरकार के इस कदम के पीछे प्रमुख तर्क इस प्रकार हो सकते हैं (1) अनुभवी कर्मचारियों को बनाए रखना-प्रशासन से लेकर टेक्निकल क्षेत्रों तक, कई विभाग ऐसे हैं जहां अनुभव सीधे कार्य-कुशलता से जुड़ा होता है। वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों का सेवाकाल बढ़ाने से नीतिगत निरंतरता बनी रहती है और प्रशिक्षण पर दबाव घटता है।(2) पेंशन-भार कम करना-दो वर्ष अतिरिक्त सेवा का अर्थ है कि कर्मचारी दो साल और योगदान देंगे, जबकि सरकार को पेंशन का बोझ दो साल बाद उठाना होगा। इससे राजकोष पर तत्काल दबाव कम होगा। (3) कर्मचारियों के वित्तीय जीवन को स्थिरता- महंगाई बढ़ता शहरी जीवन-यापन खर्च, स्वास्थ्य- देखभाल के बढ़ते खर्च और लंबी आयु इन सभी के लिए लंबी आयु तक सेवा कर्मचारी को आर्थिक सुरक्षा देती है।(4) पोस्ट-रिटायरमेंट आर्थिक तनाव कम करना-कई अध्ययन बताते हैं कि बड़ी संख्या में लोग रिटायरमेंट के तुरंत बाद आर्थिक कठिनाइयों का सामना करते हैं। दो वर्ष का अतिरिक्त समय उनके लिए एक मजबूत सुरक्षा परत तैयार करता है।

साथियों बात अगर हम कर्मचारियों की उम्मीदें और वित्तीय लाभ- दो साल की अतिरिक्त सेवा क्यों महत्वपूर्ण है इसको समझने की करें तो,भारत में 60 वर्ष के बाद लोग केवल उम्र के हिसाब से बूढ़े माने जाते हैं, क्षमताओं के हिसाब से नहीं। आधुनिक कार्य वातावरण में 60 वर्ष से अधिक आयु वाले लोग पूरी तरह सक्रिय और कुशल होते हैं। ऐसे में कर्मचारियों के लिए यह निर्णय कई महत्वपूर्ण लाभ प्रदान कर सकता है=(1)दो वर्ष का अतिरिक्त वेतन - जीवन भर की आय पर बड़ा असर सबसे बड़ा लाभ सीधे वेतन से जुड़ा है। कर्मचारियों को दो वर्ष अधिक वेतन मिलने का मतलब है-अधिक बचत,अधिक निवेश, सामाजिक सुरक्षा राशि में बढ़त, रिटायरमेंट के बाद बेहतर आय- स्रोत,विशेषकर मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए यह बढ़ोतरी अत्यंत महत्वपूर्ण है। (2) पेंशन और ग्रेच्युटी में वृद्धि-पेंशन का निर्धारण आखिरी वेतन और कुल सेवा अवधि के आधार पर होता है।दो वर्ष की अतिरिक्त सेवा से-पेंशन राशि बढ़ जाएगी, ग्रेच्युटी की कुल गणना में वृद्धि होगी,कम्युटेशन (एकमुश्त राशि) बढ़ेगी,इससे रिटायरमेंट के बाद वित्तीय स्थिरता काफी मजबूत होगी। (3) ईपीएफओ में अधिक योगदान जो कर्मचारी ईपीएफ के दायरे में आते हैं, उन्हें दो वर्षों तक एम्प्लायर और एम्प्लोयी दोनों का योगदान मिलता रहेगा।इससे-रिटायरमेंट कॉर्पस मजबूत होगा,ब्याज के रूप में अधिक राशि का लाभ मिलेगा,लंबे समय तक सुरक्षित कैश रिज़र्व बनेगा (4) स्वास्थ्य सुरक्षा और मेडिकल कवरेज-सेवा अवधि बढ़ने से कई कर्मचारियों को-सरकारी चिकित्सा सुविधाएँ,स्वास्थ्य बीमा सीजीएचएस लाभ-दो वर्ष अधिक मिलेंगे।यह सेवानिवृत्ति के बाद होने वाले स्वास्थ्य खर्चों को काफी कम कर सकता है। (5) 2025-2026 में रिटायर होने वाले कर्मचारियों को राहत-वे कर्मचारी जो जल्द ही रिटायर होने वाले हैं, उनके लिए यह प्रस्ताव राहत का संदेश है। उन्हें अचानक आर्थिक योजना बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी और वे दो वर्ष तक परिवार की वित्तीय सुरक्षा बेहतर ढंग से कर पाएंगे। साथियों बात अगर हम सरकारी तर्क= कार्यस्थल पर दक्षता और अनुभव का योगदान इसको समझने की करें तो,सरकार का तर्क है कि वरिष्ठ कर्मचारियों के पास वह अनुभव, जमीनी समझ और नीतिगत परिपक्वता होती है जिसे अचानक प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता।कई क्षेत्रों में जैसे-आयुर्विज्ञान,न्यायपालिका,अनुसंधानइंजी नियरिंग,सार्वजनिक प्रशासन में उम्र ज्ञान का पर्याय होती है।इन क्षेत्रों में 60 वर्ष की आयु में क्षमता समाप्त नहीं होती, बल्कि कई मामलों में इसी उम्र में व्यक्तियों का प्रदर्शन सबसे परिपक्व होता है।इसके अलावा, कई युवा अधिकारी अनुभवहीन होने के कारण उन्हीं वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन लेकर कार्य-क्षेत्र में दक्ष बनते हैं।यदि सभी वरिष्ठ कर्मचारी एक साथ रिटायर होने लगेंगे, तो संस्थागत निरंतरता टूट सकती है।इसलिए रिटायरमेंट आयु बढ़ाना रणनीतिक रूप से प्रशासनिक मजबूती का उपाय भी माना जा रहा है।

साथियों बात अगर हम युवाओं की चिंता= रोजगारअवसरों पर संभावित प्रभाव इसको समझने की करें तो,इस निर्णय कायुवाओं पर प्रभाव बहस का प्रमुख केंद्र है।युवा वर्ग विशेष रूप से इस बात को लेकर चिंतित है कि (1) नई भर्ती में देरी हो सकती है-यदि वरिष्ठ पदों पर बैठे लोग दो वर्ष और सेवा में रहेंगे तो,नए पद देर से खाली होंगे, प्रमोशन चैन धीमा पड़ेगा,युवा उम्मीदवारों की नियुक्ति की गति कम हो सकती है,यह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए चिंता का विषय है। (2) पदों की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है- कई विभागों में भर्ती पदों की संख्या स्वतःरिटायरमेंट पर निर्भर होती है।रिटायरमेंट आयु बढ़ने का अर्थ है-भर्ती चक्र धीमा, रिक्तियां कम,नए रोजगारअवसरों में संकुचन (3) करियर की शुरुआत में देरी-भारतीय युवा अक्सर 25-28 वर्ष की उम्र में नौकरी की तैयारी में लगे होते हैं।यदि भर्ती देर से होगी तो,उनके करियर की शुरुआत पीछे चली जाएगी,सामाजिक और पारिवारिक दबाव बढ़ेगा,आर्थिक स्वतंत्रता की शुरुआत भी काफी देर से होगी (4) निजी व सार्वजनिक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और कठिन हो सकती है- सरकारी नौकरियों में देरी का अर्थ है कि अधिक युवा निजी क्षेत्र में धकेले जाएंगे, जिससे उस क्षेत्र में भी प्रतियोगिता बढ़ जाएगी।साथियों बात अगर हम सरकार का दृष्टिकोण= संतुलन बनाते हुए नीति लागू करने की कोशिश इसको समझने की करें तो, सरकार की ओर से संकेत दिया गया है कि यह नीति जल्दबाज़ी में लागू नहीं की जाएगी बल्कि चरणबद्ध तरीके से इसे लागू करने पर विचार होगा। इसके संभावित विकल्प हैं-विभागवार रिटायरमेंट आयु में वृद्धि,कुछ पदों पर फिलहाल 60 वर्ष ही बनाए रखना,युवाओं के लिए समानांतर विशेष भर्ती मिशन,नए पद सृजित करके रिक्तियों की कमी दूर करना,सरकार का मानना है कि युवाओं और वरिष्ठ दोनों वर्गों के हितों का संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।इसलिए इस नीति से पहले व्यापक दिशानिर्देश जारी होने की संभावना है, जिसमें यह स्पष्ट किया जाएगा कि,भर्ती प्रक्रिया बाधित न हो,युवाओं के लिए वैकल्पिक अवसर बनें,वरिष्ठ कर्मचारियों को बिना व्यवधान योगदान देने का अवसर मिले

साथियों बात अगर हम आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक प्रभाव, विस्तृत विश्लेषण के दृष्टिकोण से देखे तो (1) आर्थिक प्रभाव- सरकारी पेंशन व्यय में कमी सार्वजनिक धन का बेहतर प्रबंधन,वरिष्ठ कर्मचारियों के माध्यम से आर्थिक स्थिरता (2) सामाजिक प्रभाव-परिवारों की आर्थिक सुरक्षा बढ़ेगी,वरिष्ठ नागरिक समाज में अधिक सक्रिय रहेंगे,वृद्धावस्था आश्रय और पेंशन आधारित निर्भरता कम होगी (3)कार्य-संस्कृति पर प्रभाव-अनुभवी व युवा कर्मचारियों का मिश्रण,कार्यस्थल पर कौशल-साझेदारी में सुधार, संस्थागत ज्ञान संरक्षित रहेगा, युवा और वरिष्ठ कर्मचारियों के बीच संतुलन ही वास्तविक समाधान,रिटायरमेंट आयु बढ़ाना एक अत्यंत व्यापक निर्णय है जिसका असर दो पीढ़ियों पर समान रूप से होगा।इसलिए आवश्यक है कि(1)सरकार स्पष्ट नीति बनाए(2)युवाओं के लिए समानांतर रोजगार सृजन योजनाएँ जारी की जाएँ (3) भर्ती -पदों की संख्या बढ़ाई जाए(4)वरिष्ठ कर्मचारियों को क्षमता के आधार पर कार्य सौंपे जाएँ(5)डिजिटल, तकनीक, स्टार्टअप क्षेत्र में युवा-उन्मुख रोजगार बढ़ाए जाएँ अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,रिटायरमेंट आयु को 60 से बढ़ाकर 62 करने का प्रस्ताव भारत में प्रशासनिक,आर्थिक और सामाजिक ढांचे को नया रूप दे सकता है। कर्मचारियों के लिए यह लाभदायक है, क्योंकि इससे उनकी आर्थिक सुरक्षा, पेंशन, ग्रेच्युटी और पीएफ में वृद्धि होगी। वहीं युवाओं के लिए यह चिंता का विषय है, लेकिन सरकार का दावा है कि यह निर्णय संतुलित तरीके से लागू किया जाएगा ताकि दोनों वर्गों के हित सुरक्षित रहें।यह मुद्दा केवल रोजगार या पेंशन का नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामाजिक - आर्थिक संरचना का प्रतिबिंब है।यदि इस नीति को योजना-बद्ध, पारदर्शी और न्यायपूर्ण तरीके से लागू किया जाए, तो भारत न केवल आर्थिक रूप से मजबूत होगा, बल्कि अनुभवी व युवा मानव संसाधन के संतुलन से वैश्विक स्तर पर कार्यकुशलता का एक नया मॉडल भी प्रस्तुत कर सकता है।

संघ का सनातन एवं प्रकृति-दर्शन : वैश्विक चेतना का आह्वान

भारत की सांस्कृतिक चेतना की जड़ में पंचमहाभूतों की जीवन-व्यवस्था है-भूमि, जल, अग्नि, वायु और आकाश का संतुलन ही भारतीय ज्ञान-तंत्र की आत्मा है। ''भगवान'' शब्द के अक्षरों में निहित पंचतत्त्वों का सार यही दर्शाता है कि भारतीय जीवन-दर्शन में भगवान कोई बाहरी सत्ता नहीं, बल्कि प्रकृति और संस्कृति का सुसंगठित योग है। यही दृष्टि सनातन कहलाती है, नित्य प्रवाहमान, पुनर्जननशील, अविनाशी। जब भारत का जीवन इसी तत्त्वदृष्टि से संचालित था, तब वह न केवल आर्थिक रूप से बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी विश्व-गुरु था।

ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में यह विचार और भी प्रासंगिक हो उठता है कि संघ का अस्तित्व ही सनातन जीवन-शैली की पुनर्संमृति, पुनर्रचना और पुनर्स्थापना का प्रयत्न है। संघ नेतृत्व विशेषकर सरसंघचालक मोहन भागवत की दृष्टि इस मूल दर्शन की आधुनिक व्याख्या है- भारत की पहचान धर्म से है और धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि वह जीवन-शैली है, जिसमें प्रकृति, समाज, संस्कृति और आत्मा का संतुलन हो।'' उनकी यह बात भारत की वैदिक चेतना को वर्तमान विश्व-यथार्थ में स्थापित करती है।

संघ के शताब्दी वर्ष का समय केवल एक संगठनात्मक उत्सव नहीं बल्कि भारत की सनातन जीवन पद्धति के पुनरुत्थान का क्षण है। संघ सरचालक मोहन भागवत बार-बार यह कहते रहे हैं कि भारत का अस्तित्व किसी राजनीतिक ढांचे से नहीं बल्कि उसकी प्रकृति और संस्कृति के अखंड योग से बना है। भारतीय जीवन का यह सत्य पंचमहाभूतों के योग में निहित है, जिनसे सृष्टि बनी और जिनकी गति को भगवान कहा गया। मोहन भागवत का दृष्टिकोण इस सत्य को आधुनिक भाषा में समझाता है कि सनातन केवल कोई धर्म नहीं बल्कि वह जीवन-तंत्र है जो मानव और प्रकृति के संतुलन से चलता है। भारतीयता प्रकृति-पूजक है और संस्कृति को उसी प्रकृति की लय पर निर्मित करती है।

आज की दुनिया युद्ध, आतंक, प्रतिस्पर्धा और पकर्यावरणीय संकट से त्रस्त है। मानव की भूख केवल संसाधन और उपभोग तक सीमित होने से जीवन तनाव, प्रदूषण और अव्यवस्था का पर्याय बनता जा रहा है। यही पश्चिमी दुनिया की शोषणकारी दृष्टि रही जिसने प्रकृति पर नियंत्रण को प्रगति माना, जबकि भारत की दृष्टि पोषण और सहअस्तित्व की थी। मोहन भागवत कहते हैं कि भारत का मार्ग सबका हित और सबके साथ पर आधारित है, क्योंकि भारतीय समाज ने प्रकृति को माता माना और संस्कृति को उसका स्वरूप। यह वही दृष्टि है जिसमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जीवन के चार आयाम हैं; जहां मोक्ष की चाह लालच रहित आनंद में है और जीवन को आरोग्य बनाना ही संस्कृति का प्रमुख लक्ष्य है। संघ का जीवन यही संदेश देता है कि व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और विश्व तभी स्वस्थ होंगे जब मानव प्रकृति के साथ समरस जीवन जिएगा।

आज जब राष्ट्रवाद को भौतिक शक्ति से मापा जा रहा है, तब मोहन भागवत इसके आध्यात्मिक स्वरूप को स्पष्ट करते हैं। राष्ट्र उनके लिए भू-भाग ही नहीं, बल्कि स्मृति, संस्कृति, प्रण और परंपरा का जीवंत व्यक्तित्व है। वे कहते हैं कि भारत की शक्ति उसकी विविधता और सामंजस्य में है, और सनातन इसलिए सनातन है क्योंकि वह पुनर्जननशील है; वह कभी समाप्त नहीं होता क्योंकि उसका आधार प्रकृति है। यही कारण है कि संघ की जीवन शैली में ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य आधारित आहार-विहार, चरित्र निर्माण और संतुलित व्यवहार को स्थान दिया गया। गांव, गौ-संवर्धन, हस्तशिल्प, लोक-जीवन, जैविक खेती, नदी-पुनरुद्धार, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं आत्मनिर्भर भारत-ये नीतियां आधुनिक रूप में ''भू-सांस्कृतिक मानचित्र'' की पुनर्स्थापना हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जीवन दृष्टि को आधुनिक शासन में उतारा है। योग का विश्वदिवस घोषित होना, आयुर्वेद का पुनर्धर्म, माई लाइफ़ माई योगा, पंचामृत, लोकल टू ग्लोबल, वोकल फॉर लोकल, जी-20 की भारतीय दर्शन आधारित थीम वसुधैव कुटुम्बकम्, मिशन लाइफ, प्राकृतिक खेती, पारंपरिक चिकित्सा मंत्रालय, मंदिरों का पुनर्जीवन, सांस्कृतिक आत्मविश्वास का उदय-ये सब उस सनातन दृष्टि के शासन रूप हैं जिसे संघ वर्षों से साधता आया है। मोदी के नेतृत्व में भारत की राजनयिक भूमिका आध्यात्मिक भाषा में उभर रही है, जहां युद्ध की भाषा की जगह सहजीवन की भाषा है, प्रतिस्पर्धा की जगह सहयोग की भूमिका है। मोहन भागवत कहते हैं कि भारत को दुनिया में नेतृत्व अपने धर्म से मिलेगा, किसी वर्चस्व से नहीं। यही धर्म प्रकृति और संस्कृति के संतुलन का वह सिद्धांत है जिसने भारत को दार्शनिक राष्ट्र बनाया।

आज दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, महामारी, अकेलापन, मानसिक तनाव और युद्ध के बीच टूट रही है। पश्चिमी विज्ञान समाधान के लिए रोबोट, जीन इंजीनियरिंग या डिजिटल कृतक जीवन की ओर जा रहा है, जबकि भारतीय अध्यात्म कहता है कि समाधान भीतर है, प्रकृति के साथ है, समरस संस्कृति के साथ है। यही संघ का कथन है कि मानव को मनुष्य बनाना ही राष्ट्र निर्माण है। संघ का जीवन तंत्र व्यक्ति में यह भरोसा जगाता है कि वह सृष्टि से जुड़ा है, पंचमहाभूतों का अंश है, और उसका धर्म है कि वह प्रकृति और समाज दोनों का पोषण करे। संघ की शाखाओं में हर प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे यह स्मरण दिलाती है कि भारत माता केवल प्रतीक नहीं बल्कि प्रकृति और संस्कृति का योग है, जिसे जीना ही सनातनता है। संघ के लिए सनातन केवल अतीत का गौरव नहीं, बल्कि आधुनिक मनुष्य के लिए नैतिक और सामाजित अनुशासन की ऊर्जा है। संघ स्वयंसेवक जब शाखा में प्राणायाम, सूर्यनमस्कार, योगासन और सामूहिक भाव-विन्यास करते हैं, तो वे भारतीय संस्कृति के मूल सूत्र ''प्रकृति-संस्कृति योग'' को साधते हैं। मोहन भागवत यह भी कहते हैं कि भारत का मार्ग किसी पर थोपने का नहीं है बल्कि जगत को दिखाने का है कि शांति, समृद्धि और संतोष कैसे प्राप्त हो सकते हैं। उनके वक्तव्यों में स्पष्ट है कि सनातन जीवन-पद्धति ''ग्रहण और उपभोग'' नहीं बल्कि सहजीवन और पोषण सिखाती है। एक ओर पश्चिमी मॉडल शोषण, नियंत्रण का जीवन देता है, विज्ञान भी वहां सत्ता का औजार है; दूसरी ओर सनातन दर्शन अध्यात्म और विज्ञान को पूरक बनाता है, भौतिकी को आध्यात्मिक चेतना से संचालित करता है। यही अंतर भारत और विश्व को दिशा देता है। उनकी दृष्टि में भारत की समस्याओं का समाधान शिक्षा प्रणाली के पुनर्संयोजन में है, जिसमें ज्ञान केवल तकनीक न हो बल्कि जीवन विद्या हो। वे कहते हैं कि यदि भारत प्रकृति आधारित संस्कृति को पुनर्जीवित करेगा तो आरोग्य, आनंद और मोक्ष की दिशा में एक नई मनुष्यता जन्म लेगी। यह केवल भारत के लिए नहीं बल्कि विश्व के लिए समाधान है क्योंकि विश्व के संकट का मूल मानव और प्रकृति के बीच का विभाजन है। आज संघ का शताब्दी वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है कि यह भारत के सनातन पुनरुत्थान का ऐतिहासिक मोड़ हो सकता है। संघ की जीवन शैली-साधारणता, संयम, समर्पण, समाज-धर्म, अनुशासन, सेवा और आत्मपरिष्कार, यह प्रकृति आधारित संस्कृति की आधुनिक अभिव्यक्ति है। और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शासन, संघ के जीवन तंत्र को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने का राजनीतिक-राजनयिक रूप है। इसलिए आज के हिंसा और युद्धग्रस्त विश्व के लिए भारत का संदेश स्पष्ट है कि समाधान हथियार से नहीं, जीवन दर्शन से होगा; विकास भौतिक उपभोग से नहीं, समरस संस्कृति से होगा; और भविष्य उस सभ्यता का है जो प्रकृति को माता और संस्कृति को सृष्टि का धर्म मानकर चलती है।

विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर जिला प्राधिकरण द्वारा किया गया जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेन्द्र प्रसाद सोनी के निर्देशन में एवं रंजना चतुर्वेदी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की अध्यक्षता में गतदिवस विश्व मानव अधिकार के अवसर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सीएम राईज स्कूल शिवपुरी में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित छात्र-छात्राओं को श्रीमती रंजना चतुर्वेदी, सचिव के द्वारा मानव अधिकार दिवस के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए बताया कि हर व्यक्ति, चाहे उसकी जाति, धर्म, लिंग या सामाजिक स्थिति कुछ भी हो वह मौलिक अधिकारों का हकदार है। इसके साथ ही निशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह योजना के संबंध में भी विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य संजीव पुरोहित सहित

अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

सर्किल जेल शिवपुरी में मानव अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में बंदियों हेतु मानव अधिकार विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सचिव, श्रीमती रंजना चतुर्वेदी ने भारतीय संविधान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हमारा संविधान प्रत्येक नागरिक को सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्रदान करने की गारंटी देता है और यह हमें भारतीय संविधान के भाग-3 में उपबंधित मानव अधिकार के रूप में प्रदान करता है। आज मानव अधिकार दिवस के अवसर पर बंदियों को बताया कि अनुच्छेद 21 प्रत्येक बंदी को स्वच्छ पर्यावरण, बेहतर स्वास्थ्य, निशुल्क चिकित्सा, शीघ्र विचारण, निशुल्क विधिक सहायता, पोषण युक्त भोजन, स्वच्छ पेयजल, शुद्ध वायु, मनोरंजन एवं अध्ययन आदि के अधिकार को प्रत्येक बंदी के गरिमापूर्ण जीवन जीने के अधिकार में समाहित होना बताया। इस अवसर पर जेल उपाधीक्षक श्री राम शिरोमणि पाण्डेय उपस्थित रहे।

उपजेल करैरा में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित बंदियों को विश्व मानव अधिकार दिवस के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी के साथ-साथ बंदियों के अधिकारों के बारे में भी जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही बंदियों के साथ क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर उपजेल अधीक्षक सुनील शर्मा सहित जेल कर्मचारी उपस्थित रहे। ग्राम कटमई आदिवासी बस्ती में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित लोगों को विश्व मानव अधिकार दिवस के साथ-साथ उनके अधिकारों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी एवं शासन द्वारा उनके लिए चलाई जा रहीं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गयी। इस अवसर पर पैरालीगल वालेंटियर गोपाल राठौर ने भी उपस्थित लोगों को निशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह के बारे में जानकारी प्रदान की।

विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर पुरानी तहसील परिसर शिवपुरी एवं जिला न्यायालय परिसर शिवपुरी में हेल्प डेस लगाकर उपस्थित लोगों को विश्व मानव अधिकार दिवस के संबंध में जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही उनके अधिकारों, नालसा एवं सालसा द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में भी विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की।

एमसीबी जिले में गाइडलाइन दरों का 8 वर्ष बाद पुनरीक्षण, नई दरें 20 नवंबर 2025 से प्रभावी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक छत्तीसगढ़ रायपुर के पत्र क्रमांक/1996/गा.ला./2025-26 नवा रायपुर दिनांक 19/11/2025 के द्वारा ''छत्तीसगढ़ गाइड लाईन दरों का निर्धारण 2000'' के प्रावधानों के तहत उप जिला/जिला मूल्यांकन समितियों से प्राप्त अचल सम्पतियों के बाजार मूल्य निर्धारण से संबंधित गाइड लाईन दर वर्ष 2025-26 को केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा अनुमोदित किया जाकर, दिनांक 20/11/2025 से सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में लागु की गई है।

छत्तीसगढ़ राज्य के मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, जिले में गाइड लाईन दरों का विगत 2017-18 से पुनरीक्षण नहीं हुआ था। वर्ष 2017-18 के बाद से गाइडलाईन का पुनरीक्षण नही होने से वर्ष 2017-18 से अब तक मनेन्द्रगढ़ नगर पालिका परिषद एवं उसके आस-पास के नगरीय निकाय क्षेत्रों एवं मनेन्द्रगढ़ नगर पालिका परिषद से लगे ग्रामों में अनेक प्रमुख मार्ग, कालोनी, व्यवसायिक क्षेत्र/काम्पलेक्स, औद्योगिक क्षेत्र, नवीन बसाहट आदि विकसित हो गये है। इन विकसित हुये प्रमुख मार्ग, कालोनी, व्यवसायिक क्षेत्र/कॉम्प्लेक्स, औद्योगिक क्षेत्र, नवीन बसाहट का गाइड लाइन में समावेशन नहीं हो पाया था। इस के अलावा पूर्व के प्रचलित गाइड लाईन में अनेक विसंगतियां जैसे-एक ही मार्ग के आमने-सामने की दर भिन्न-भिन्न होना, एक क्षेत्र का अनेक दर होना, समान परिस्थिति के क्षेत्र का अनेक दर होना भिन्न-भिन्न होना जैसे अनेक विसंगतियां/विषमता थी। गाइडलाइन का पुनरीक्षण नहीं होने से उक्त विसंगतियों को दूर नही किया जा सका था।

उपरोक्त समस्त कारणों को ध्यान में रखते हुए पूर्व प्रचलित गाइडलाइन दरों का समग्र एवं तार्किक पुनरीक्षण किया जाना नितांत आवश्यक हो गया था। जिससे गाइड लाइन दर आम जनता के समझने एवं जानने में सरल एवं सहज हो सके। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में 500 वर्ग मीटर तक कृषि भूमि के भूखण्ड/वर्गमीटर दर को शासन द्वारा समाप्त किया गया है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के कृषि भूमि के दर को युक्ति युक्त किया जाना आवश्यक हो गया था। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के एक ही मार्ग में स्थित ग्राम तथा एक परिस्थिति के आस-पास के ग्राम के दरों में बहुत ही भिन्नता एवं विषमता थी। जिसे भी युक्ति युक्त किया जाना था। उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुये विभागीय मुख्यालय से दिये गये मार्ग दर्शन/दिशा-निर्देश अनुसार मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रचलित गाइड लाईन का पुनरीक्षण कर नवीन गाइड लाईन दर तैयार किया गया है।

नगरीय निकाय क्षेत्रों में गाइड लाईन दर को निम्नानुसार तैयार किया गया है:- गाइड लाईन दर रोड अनुसार तैयार किया गया है अर्थात एक परिस्थिति एवं समान महत्व के वार्ड में एक मार्ग की दर को समान रखा गया है। पूर्व प्रचलित गाइड लाईन में एक मार्ग के समान परिस्थिति एवं महत्व के क्षेत्र में इस की दर को भिन्न-भिन्न रखा गया था। जिसे वर्तमान गाइड लाईन दर में युक्ति युक्त किया गया है।

नगर पालिका मनेन्द्रगढ़ में वार्ड परिसीमन उपरांत वार्ड 01 से 22 तक कुल 22 वार्ड है, जिसमें मुख्य सड़क से 20 मीटर तक दरों में 21 प्रतिशत की औसत वृद्धि एवं 20 मीटर बाद के दरों में 21 प्रतिशत तक की औसत वृद्धि की गयी है। पूर्व में प्रचलित 85 कंडिकाओं को कम कर कंडिकाओं की संख्या 48 की गई है। जिससे पंजीयन कार्य में पारदर्षिता आए। नगरीय निकायों में बड़े भूखण्डों में नगर पालिका मनेन्द्रगढ़ में मुख्य मार्ग से 20 मीटर तक 50 प्रतिशत एवं 20 मीटर पश्चात् 50 प्रतिशत प्रति हेक्टेयर दर की वृद्धि की गई है। जैसे मनेन्द्रगढ़ नगर पालिका में वार्ड क्रमांक 04, 05 एवं 06 में विभिन्न कंडिकायें थी जो एक ही मार्ग पर स्थित थी जैसे वार्ड क्रमांक 04 में रेल्वे क्रासिंग से मुख्य मार्ग 8100/- प्रति वर्ग मीटर एवं वार्ड क्रमांक 05 में समान कंडिका 8200/- प्रति वर्ग मीटर थी इन विसंगतियों को दूर कर नवीन गाईड लाईन वर्ष 2025-26 में उपरोक्त वार्ड क्रमांकों में सम्पूर्ण वार्ड क्षेत्र का दर समान किया गया है।

पुलिस द्वारा 02 लाख का मशरूका बरामद, चोर को गिरफ्तार भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ के द्वारा जिले में होने संपत्ति संबंधी अपराधों को गम्भीरता से लेते हुए अधिक से अधिक कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार करने व माल मसरूका को बरामद करने हेतु निर्देशित किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी संजीव मुले एवं एसडीओपी कोलारस संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी इन्दार ने टीम बनाकर चोरी के अपराध का खुलाशा कर अरिपियों को गिरफ्तार करने मे सफलता हांसिल की है। 10 दिसम्बर को फरियादी मुकेश कुशवाह निवासी इन्दार के द्वारा अपने घर में रखे बक्सा में से नगदी 2,00,000 रूपये रात्रि में अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट लेख कराई थी जिस पर से थाना इन्दार पर अप.क्र.247/2025 धारा 305(ड्ड), 331(4) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

आदिवासी परिवारों ने आधार-राशन कार्ड, पानी-बिजली एवं आवास सुविधाओं की माँग को लेकर प्रशासन से लगाई गुहार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिला शिवपुरी के हवाई पट्टी के पीछे पटारे कब्रिस्तान रोड क्षेत्र में निवास कर रहे आदिवासी परिवारों ने बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की माँग की है। आदिवासी समुदाय के लोगों ने एक सामूहिक निवेदन पत्र के माध्यम से बताया कि आज भी उनके आधार कार्ड और राशन कार्ड नहीं बने हैं, जिसके कारण उन्हें शासन की खाद्यान्न योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उनके निवास स्थल पर न तो पानी की व्यवस्था है और न ही बिजली की, जिससे जीवनयापन अत्यंत कठिन हो गया है। आदिवासी परिवारों ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है और वे टपरी बनाकर रहने को मजबूर हैं।

परिवारों ने यह भी बताया कि उनकी जमीन पर दबंग लोगों ने कब्जा कर रखा है, जिससे वे लगातार परेशान हैं और न्याय की तलाश में प्रशासनिक अधिकारियों की शरण में पहुँचे हैं। आदिवासी जनों ने जिला प्रशासन से बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, आधार एवं राशन कार्ड बनवाने तथा आवास योजना का लाभ दिलवाने की माँग करते हुए शीघ्र कार्रवाई करने की अपील की है।

दूसरे की जमीन को अपना बताकर 79 लाख की ठगी, गिरफ्तार: सरगुजा। दूसरे की जमीन को दिखाकर युवक ने फर्जी एग्रीमेंट किया और स्श्वष्टरु के रिटायर्ड अधिकारी से 79 लाख रुपये की ठगी कर ली।

कलेक्टर ने जारी किए सख्त निर्देश, धान खरीदी केंद्रों में रात 7 बजे से सुबह 6 बजे तक शासकीय धान का उठाव पूर्णत: प्रतिबंधित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारु, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए शासन के निर्देशों के साथ अतिरिक्त सख्त दिशानिर्देश जारी किए हैं। जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में इन नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों, राइस मिलरों तथा परिवहनकर्ताओं को दिए गए हैं।

मुख्य निर्देश इस प्रकार हैं- रात 7:00 बजे से सुबह 6:00 बजे तक शासकीय धान का उठाव पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। राइस मिलर एवं परिवहनकर्ता अपनी गाड़ियों की आवाजाही इसी समय-सीमा को ध्यान में रखकर सुनिश्चित करेंगे। शाम 7:00 बजे से पहले उपार्जन केंद्र से रवाना हुए सभी वाहनों में अनिवार्य दस्तावेज वाहन के साथ उपलब्ध रहना आवश्यक होगा, ताकि निरीक्षण के दौरान तुरंत प्रस्तुत किया जा सके। राइस मिल/परिवहनकर्ता का वाहन जैसे ही उपार्जन केंद्र में प्रवेश करेगा, केंद्र प्रभारी को इसकी तत्काल सूचना सहायक नोडल अधिकारी को देनी होगी। गेट पास ऐप में आवश्यक प्रविष्टि कर केंद्र प्रभारी वाहन के साथ स्वयं की फोटो भी सहायक नोडल अधिकारी को भेजेंगे। वाहन की निकासी के समय भी लोडेड वाहन की स्वयं के साथ फोटो तथा प्रस्थान की तत्काल सूचना सहायक नोडल को भेजना अनिवार्य होगा।

वाहन के प्रवेश और निकासी का संपूर्ण ब्यौरा- वाहन क्रमांक, आगमन समय, प्रस्थान समय, वाहन चालक का नाम एवं हस्ताक्षर-उपार्जन केंद्र पर संधारित पंजी में दर्ज किया जाएगा। कलेक्टर ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि इन निर्देशों का अनिवार्यत: पालन उपार्जन केंद्र प्रभारी एवं समिति प्रबंधकों की जिम्मेदारी है। किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या नियम उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

एसईसीएल खदान जलाशय 10 साल के लिए पट्टे पर, मछली पालन के इच्छुक आवेदकों के लिए सुनहरा अवसर

जिले में 18.50 हेक्टेयर जलाशय आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ, 15 दिनों के भीतर आवेदन कर सकेंगे इच्छुक हितग्राही

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के खड़गवां विकासखंड अंतर्गत तहसील चिरमिरी के पॉड्रीहिल वेस्ट चिरमिरी ग्राम स्थित एसईसीएल पोखरी/खदान जलाशय को आगामी 10 वर्षों के लिए मछली पालन कार्य हेतु पट्टे पर देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रशासन द्वारा जारी विस्तृत विज्ञप्ति के अनुसार कुल 18.50 हेक्टेयर रकबा (कक्ष क्रमांक पी509 - 16.00 हे., पी505 - 2.50 हे.) पट्टा आवंटन के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जलाशय आवंटन के लिए प्राथमिकता क्रम निर्धारित किया गया है। सामान्य क्षेत्रों में ढीमर, निषाद, केवट, कहार,कहरा एवं मल्लाह वर्ग की पंजीकृत मत्स्य सहकारी समितियों/मछुआ समूहों को प्रथम प्राथमिकता मिलेगी। वहीं अनुसूचित जनजाति अधिसूचित क्षेत्रों में एसटी वर्ग की पंजीकृत मत्स्य सहकारी समिति एवं मछुआ समूहों को वरीयता दी जाएगी। इसके बाद स्थानीय महिला एवं स्व-सहायता समूहों को क्षेत्रवार निर्धारित प्राथमिकता अनुसार मौके मिलेंगे।

मछली पालन में डिप्लोमा, स्नातक या स्नातकोत्तर योग्यता रखने वाले मछुआ व्यक्ति तथा बेरोजगार युवाओं को भी प्राथमिकता का अवसर दिया जाएगा। वर्ष 1965 या उसके पश्चात् डूब क्षेत्र में प्रभावित हुए विस्थापित परिवारों/समूहों को विशेष प्राथमिकता प्रदान की जाएगी।

आवेदन के लिए आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष अनिवार्य है। सभी आवेदकों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने होंगे। सहकारी समितियों के लिए पंजीयन प्रमाण पत्र, बायलॉज, सदस्यों की सूची, बैंक नॉन-डक्टी प्रमाण पत्र, समिति का प्रस्ताव ठहराव एवं ऑडिट रिपोर्ट जबकि समूहों/व्यक्तियों के लिए जाति, निवास, गरीबी रेखा सर्वे प्रमाण पत्र तथा बैंक विवरण अनिवार्य हैं।

पूर्ण आवेदन पत्र विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर सहायक संचालक, मत्स्य पालन कार्यालय, जिला एमसीबी में जमा किए जा सकेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अपूर्ण आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे और संपूर्ण प्रक्रिया कलेक्टर एमसीबी के अनुमोदित प्रारूप के अनुसार पारदर्शिता से संचालित होगी।

भारत सरकार की आरएएमपी योजना के अंतर्गत जिलों में आयोजित की जा रही कार्यशालाओं हेतु समन्वय एवं जिला-स्तरीय सहयोग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत उक्त योजना का क्रियान्वयन नोडल एजेंसी लघु उद्योग निगम द्वारा किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य प्रदेश में एमएसएमई इकाइयों को समग्र रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए जानकारी एवं लाभ से अवगत कराने के साथ इकाइयों की तकनीकी क्षमता में वृद्धि, उत्पादन लागत में कमी, उत्पादन-कुशलता, गुणवत्ता सुधार और उद्यमिता विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ज़्क्क योजना के अंतर्गत जिले में समय-समय पर तकनीकी एवं प्रबंधन-केंद्रित कार्यशालाएँ आयोजित की जा रही हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कोविड प्रभाव उपरांत एमएसएमई सेक्टर के उद्यमियों/इकाइयों को आधुनिक प्रबंधन प्रणालियों, उत्पादकता-उन्नयन मानकीकरण, प्रक्रिया-सुधार तथा बाजार-तैयारी के प्रति जागरूक कर जिला स्तर पर उ?द्योग पारिस्थितिक तंत्र को अधिक प्रभावी एवं सक्षम बनाना है।

इन कार्यशालाओं का आयोजन जिले में महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा स्थानीय उद्योग संघों के समन्वय के साथ एजेंसियों के माध्यम से योजना की गाइडलाईन अनुरूप किया जाता है। आपसे अनुरोध है कि योजना के अंतर्गत इन कार्यक्रमों को जब भी जिले में आयोजित किया जाता है, तो कृपया यथासंभव अपनी उपस्थिति प्रदान कर मार्गदर्शन देने के साथ जिले के संबंधित विभागों, उ?द्योग प्रतिनिधियों एवं हितधारकों के साथ आवश्यक समन्वय एवं सहयोग प्रदान किये जाने का कष्ट करें, जिससे आपके जिले की अधिकाधिक एमएसएमई इकाइयां, उद्यमी एवं उद्यम स्थापना की इच्छा रखनेवाले उद्यमी इन कार्यशालाओं के माध्यम से भारत सरकार एवं राज्य सरकार की योजनाओं एवं विभिन्न लाभ उठा सकें।

निर्वाचन प्रयोजनों के लिये आम सभाओं के दौरान स्थित दशा में अथवा किसी भी प्रकार के वाहनों में लगाये गये लाउड स्पीकर या सार्वजनिक अभिभाषण प्रणाली या किसी भी प्रकार के ध्वनि प्रर्वधक का प्रयोग रात्रि में 10 बजे से प्रात: 6 बजे के मध्य नहीं किया जाएगा।

बीएड योग्यताधारी प्राथमिक शिक्षक ब्रिज कोर्स के लिये 25 तक करा सकेंगे रजिस्ट्रेशन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रदेश में 11 अगस्त, 2023 के पूर्व नियुक्त बीएड योग्यताधारी शिक्षकों को ब्रिज कोर्स के लिये अपना रजिस्ट्रेशन 25 दिसम्बर तक वेबसाइट पर करने के निर्देश दिये हैं। इस संबंध में प्रदेश के समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को परिपत्र जारी किया गया है। परिपत्र में कहा गया है कि प्राथमिक शिक्षक की व्यावसायिक योग्यता के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश पारित किया है। बीएड योग्यताधारी प्राथमिक शिक्षकों को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली से 6 माह का ब्रिज कोर्स ओपन एण्ड डिस्टेंस लर्निंग ओडीएल मोड से कराये जाने का उल्लेख है।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत उपसरपंचों का प्रशिक्षण जारी

जल जीवन मिशन पर आयोजित हुआ महत्वपूर्ण तकनीकी सत्र

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में नवनिर्वाचित उप सरपंचों के लिए आयोजित त्रि-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आज जल जीवन मिशन पर एक महत्वपूर्ण एवं तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र अमृत सदन, जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ के सभाकक्ष में जिला पंचायत संसाधन केंद्र (डीपीआरसी) द्वारा संचालित किया गया।

सत्र में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के विशेषज्ञों ने जल जीवन मिशन की कार्यप्रणाली, संचालन एवं संधारण की विस्तृत प्रक्रिया, शासन के राजपत्र प्रावधान, ग्राम पंचायतों को पेयजल योजनाओं के हस्तांतरण की विधि तथा आपूर्ति प्रणालियों के प्रमाणीकरण एवं सत्यापन के चरणों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। विशेषज्ञों ने बताया कि योजनाओं का तकनीकी परीक्षण, समयबद्ध निगरानी और पारदर्शिता मिशन की सफलता के मुख्य स्तंभ हैं। इसके साथ ही जल गुणवत्ता परीक्षण, स्रोत संरक्षण, नियमित रखरखाव, सामुदायिक सहभागिता एवं जल संरक्षण उपायों पर भी उपसरपंचों को व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई।

प्रतिभागियों को यह भी बताया गया कि ग्राम स्तर पर जल प्रबंधन प्रणाली को प्रभावी बनाने में जनसहयोग और स्थानीय नेतृत्व की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपस्थित प्रतिभागियों ने इस सत्र को अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताते हुए कहा कि प्राप्त जानकारी का उपयोग वे अपने-अपने ग्राम पंचायतों में योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, निगरानी और स्थायी संचालन में करेंगे। प्रशिक्षण में कुल 28 उपसरपंचों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

मझौली शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालन हेतु समितियों से आवेदन आमंत्रित, 18 तक जमा होंगे आवेदन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्राम पंचायत मझौली स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान (आईडी 532004083) के संचालन की ज़िम्मेदारी से सरपंच एवं सचिव द्वारा असमर्थता जताए जाने के बाद जिला प्रशासन ने दुकान के नए संचालक चयन की औपचारिक प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। प्रशासन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि उचित मूल्य दुकान के संचालन हेतु अब पात्र संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं, ताकि राशन वितरण व्यवस्था निरंतर एवं सुचारू रूप से संचालित रह सके।

प्रशासन के अनुसार आदिम जाति सहकारी समितियां, बहुउद्देशीय सहकारी समितियां, महिला स्व सहायता समूह, वन सुरक्षा समितियों तथा नियमानुसार पात्र अन्य संस्थाए आवेदन प्रस्तुत कर सकती हैं। इच्छुक समितियों को आवेदन पत्र के साथ पंजीयन प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक की छायाप्रति तथा आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर 04 दिसंबर 2025 से 18 दिसंबर 2025 तक कार्यालयीन समय में जमा करना अनिवार्य होगा।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अंतिम तिथि के बाद प्राप्त किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं नियमबद्ध तरीके से की जाएगी, ताकि उपभोक्ताओं को आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता में किसी प्रकार की बाधा न आए। अधिकारियों ने कहा कि उचित मूल्य दुकान ग्रामीण क्षेत्र की जन कल्याणकारी आपूर्ति प्रणाली का महत्वपूर्ण आधार है, ऐसे में पात्र एवं सक्षम संस्था का चयन अत्यंत आवश्यक है। प्रशासन ने सभी इच्छुक एवं पात्र समितियों से निर्धारित समय सीमा में आवेदन जमा करने की अपील की है।

इंदौर-बैतूल हाइवे के धनतालाब घाट पर 10 किमी लंबा जाम रूट डायवर्ट किया तो बरझाई घाट पर ट्रक खाई में पलटा

देवास, एजेंसी। इंदौर-बैतूल हाइवे पर बुधवार को देवास के धनतालाब घाट पर 10 घंटे तक लंबा जाम लगा रहा। यहां एक संकरी पुलिया होने के कारण बड़े वाहनों के फंसते ही अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है, लेकिन इस बार स्थिति सामान्य से ज्यादा बिगड़ गई। पुलिया के दोनों ओर वाहनों की दो-दो किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं। हालात संभालने के लिए पुलिस ने भारी वाहनों को दूसरे मार्ग यानी बरझाई घाट की तरफ डायवर्ट किया। वाहनों को डायवर्ट करने के 30-40 मिनट बाद ही बरझाई घाट पर टाइल्स से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर खाई में पलट गया। घाट पर ढलान तेज है और बताया जा रहा है कि ब्रेक अचानक फेल हो गए। चालक ने बचने की कोशिश की, लेकिन ट्रक सीधा खाई की ओर जा गिरा और बुरी तरह पलट गया।

ड्राइवर का पैर स्टीयरिंग में फंसा, आधे घंटे चला रेस्क्यू : हादसे के बाद चालक के पैर स्टीयरिंग में फंस गए थे। वह दर्द से चिल्लाता रहा, लेकिन बाहर नहीं निकल पा रहा था। राहगीरों और पुलिस ने मिलकर लगभग आधे घंटे की मशक्कत के बाद केबिन का हिस्सा तोड़कर चालक को बाहर निकाला। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया। ट्रक पलटते के कारण बरझाई घाट पर भी जाम की स्थिति बन गई। इससे धनतालाब घाट पर पहले से लगे 10 घंटे के जाम की स्थिति और गंभीर हो गई। कई वाहन चालक पानी और खाने के अभाव में घंटों फंसे रहे।

धनतालाब घाट पर जाम की समस्या पुरानी: स्थानीय लोगों का कहना है कि धनतालाब घाट की पुलिया काफी संकरी है। बड़े वाहन एक साथ निकलते ही जाम लग जाता है। बुधवार को भी दो ट्रक एक साथ मोड़ लेने में फंस गए, जिससे जाम अचानक बढ़ गया। जाम साफ नहीं हो रहा था, इसलिए पुलिस को वाहनों को बरझाई घाट से डायवर्ट करना पड़ा था। बुधवार देर रात तक भारी मशक्कत के बाद स्थिति सामान्य हुई। यातायात एएसपी एचएन बॉथम ने कहा कि दुर्घटना और बड़े वाहनों के खराब होने से दो से तीन घंटे तक जाम रहा, जिसे मार्ग डायवर्ट कर नियंत्रित किया गया।

डेढ़ माह पहले मारपीट में घायल मजदूर की मौत, सिर पर लगी थी गंभीर चोट; परिजन बोले- दोषियों पर कार्रवाई हो

पन्ना, एजेंसी। पन्ना जिले के जनवार गांव निवासी एक 28 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई है। मजदूर को करीब डेढ़ माह पहले मारपीट में गंभीर चोटें आई थीं, जिसके बाद उसका इलाज चल रहा था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान जयप्रकाश आदिवासी (28 वर्ष) पुत्र मुन्ना आदिवासी के रूप में हुई है। वह मजदूरी करने के लिए उत्तर प्रदेश के कोनम्बली गया हुआ था, जहां उसके साथ ससुराल के पांच अन्य लोग भी काम करते थे। मृतक के ममेरे भाई वीरेंद्र ने बताया कि 18 अक्टूबर को जयप्रकाश और उसके पांच साथियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद और मारपीट हुई थी। इस घटना में जयप्रकाश के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। घायल जयप्रकाश को पहले मंजनपुर जिला अस्पताल ले जाया गया। हालत नाजुक होने पर उसे सतना और फिर जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। जबलपुर के डॉक्टरों द्वारा मना करने के बाद, उसके साथी बिना परिवार को बताए उसे घर ले आए और घटना की जानकारी दी। घर पर जयप्रकाश की हालत बिगड़ती रही। गुरुवार, 11 दिसंबर को उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

हरदा के टिमरनी में दो मकानों में चोरी

हरदा, एजेंसी। हरदा जिले के टिमरनी नगर की माधव नगर कॉलोनी में बुधवार की रात अज्ञात चोरों ने दो मकानों को निशाना बनाया। एक मकान का ताला तोड़ने में चोर असफल रहे, जबकि दूसरे मकान से लाखों के जेवरात और नकदी चोरी कर ले गए।एनजीओ में कार्यरत हरिओम काशिव के मकान का मुख्य गेट तोड़कर चोर अंदर घुसे। उन्होंने गोदरेज अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात और लगभग पांच से दस हजार रुपए नकद चुरा लिए।

रतलाम में कबाड़ गोडाउन में आग, कई धमाके हुए : लोग दहशत में आए; 30 फायर ब्रिगेड गाड़ियों ने तीन घंटे में काबू पाया, गैस सिलेंडर भी मिले

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के हाट रोड स्थित वेद व्यास कॉलोनी के कॉर्नर पर स्थित एक कबाड़ गोडाउन में बुधवार रात आग लग गई। आग तेजी से पूरे कबाड़ में फैल गई और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने लगा। आग की लपटों के बीच धमाकों की आवाज आने लगी। इससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की 25-30 लॉरी पहुंचीं और करीब 3 घंटे में आग पर काबू पाया। इलाके की बिजली सप्लाई एहतियातन बंद करनी पड़ी। आग रात करीब 12.30 बजे के करीब लगी थी। शुरुआत में आग पर किसी का ध्यान नहीं गया। जब आग की तेज लपटे व धुआं उठा तो लोगों को पता चला। फायर ब्रिगेड को सूचना दी। रात 3.30 बजे तक आग पर काबू पाया गया। आग की स्थिति यह थी कि आग बुझाने का प्रयास नगर निगम की फायर लॉरी के कर्मचारी करते रहे। एक तरफ आग को बुझाया जाता तो दूसरी तरफ से आग की लपटे उठने लगती।

कबाड़ के साथ गैस सिलेंडर भी रखे थे : गोडाउन में कागज के पुस्टें, प्लास्टिक और कांच की बोतलें रखी थीं, जो पूरी तरह जल गई। यहां गैस सिलेंडर और घरेलू गैस सिलेंडर भी रखे थे, जिन्हें समय रहते निकालकर सामने वाली बिल्डिंग में रख दिया गया। जानकारी यह भी सामने आई कि गोडाउन में लोहा काटने के लिए गैस सिलेंडर का इस्तेमाल किया जाता था।

गोडाउन के आसपास रहवासियों के इलाके : जिस स्थान पर कबाड़ का गोडाउन मौजूद है वहां उसकी लेफ्ट साइट हाट रोड पर दुकानें है। जबकि राइट साइड कॉलोनी क्षेत्र है। गोडाउन के सामने एक मल्टी बनी हुई है। गोडाउन के बाहर कंचन इंटरप्राइजेस का बोर्ड लगा था। बताया जा रहा है कि यह किसी दिनेश व लच्छू कबाड़ी का गोडाउन है।

कबाड़ीवाले का खौफ, कोई बोलने के लिए तैयार नहीं : रहवासियों को कहना था कि हमें यहीं रहना है। हम कुछ नहीं बता सकते। कुछ लोग सामने तो आए लेकिन कैमरे में कोई भी आने को तैयार नहीं हुआ। बताया कि कई सालों से यह कबाड़ा गोडाउन रहवासी क्षेत्र में संचालित हो रहा है। पूर्व में इसे हटाने के लिए नोटिस भी दिए गए। लेकिन आज तक ना तो जिला प्रशासन और नहीं नगर निगम के अधिकारी रहवासी क्षेत्र से इस कबाड़ गोडाउन को हटा पाए।

कोई बड़ा अधिकारी नहीं पहुंचा : आग इतनी भयावह थी दूर-दूर तक आग का धुआं दिखाई दे रहा था। आग की सूचना पर सबसे पहले हाट की चौकी प्रभारी पंकज राजपूत व पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इसके बाद सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया आए, लेकिन कुछ देर रुकने के बाद चले गए। बाद में रात में डिवीजन ड्यूटी होने के कारण जावरा से एसडीओपी संदीप मालवीय मौके पर पहुंचे। इस दौरान जिला प्रशासन व नगर निगम कमिश्नर समेत कोई भी बड़ा अधिकारी मौके पर नजर नहीं आया।

सुरक्षा के लिए बिजली सप्लाई बंद की गई : जिस जगह आग लग उसी के बाहर बिजली कंपनी की डीपी भी लगी हुई थी। आग के कारण हाट की चौकी, वेद व्यास कॉलोनी समेत आसपास के क्षेत्र की विद्युत सप्लाई बंद करना पड़ी। गोडाउन से सट कर लगी हाट रोड की दुकानों के ऊपर रखा सामान भी जल कर खाक हो गया। फ्रीज व कूलर दुकानों की छत पर रखे थे। आग के कारण वह भी जल गए।

आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं: एसडीओपी : जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय ने कहा कि स्क्रैप गोडाउन में आग किस कारण से लगी अभी पता नहीं चला है। रतलाम के अलावा आसपास की दमकलों को बुलाया गया। करीब 25 से 30 फायर लॉरी की मदद से आग पर काबू पाया है।

पचमढ़ी में सीजन की सबसे सर्द रात पारा 4.8 डिग्री पहुंचापत्तियों पर जमी ओस; नर्मदापुरम में ठिठुरन बढ़ी

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम समेत पूरे मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर जारी है। हिल स्टेशन पचमढ़ी में बुधवार-गुरुवार की रात इस सीजन की सबसे सर्द रात रही, जहां न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 4.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। यह इस सीजन का अब तक का सबसे कम तापमान है। पिछले 24 घंटों में यहां पारे में 0.4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। ठंड से बचने के लिए पचमढ़ी में स्थानीय लोग और पर्यटक अलाव का सहारा ले रहे हैं। गुरुवार सुबह पचमढ़ी में कड़ाके की ठंड का असर साफ दिखाई दिया और पेड़-पौधों की पत्तियों पर ओस की बूंदें जमी नजर आईं। रात के साथ ही यहां दिन में भी ठंड महसूस की जा रही है। दिन का अधिकतम तापमान 26 डिग्री के आसपास दर्ज हो रहा है।

नर्मदापुरम में सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन : जिला मुख्यालय नर्मदापुरम में भी सर्द हवाएं चलने से वातावरण में ठंडक बनी हुई है। शाम होते ही ठंड का अहसास तेज हो जाता है और सुबह के समय कपकपाने वाली ठंड पड़ रही है। गुरुवार को शहर का न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले दिनों के मुकाबले रात के तापमान में मामूली (0.1 डिग्री) बढ़ोतरी हुई है।

13 दिसंबर से हल्की राहत के आसार: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, जिले में अगले दो दिन मौसम में बड़ा बदलाव नहीं होगा। मौसमविद वाहीद खान ने बताया कि उत्तर भारत की ओर ऊपरी हवाओं का चक्रवात बन रहा है और एक पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) देश के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में तैयार हो रहा है। इसका हल्का असर नर्मदापुरम सहित प्रदेश के कुछ हिस्सों में दिख सकता है। इस कारण 13 से 15 दिसंबर के बीच रात के तापमान में हल्की बढ़त हो सकती है। हालांकि, इसके बाद उत्तरी हवाओं के असर से दिन और रात में ठंड बनी रहेगी।

ग्वालियर में 19 साल की युवती से गैंगरेप :घर में अकेली पाकर दूर के रिश्तेदार और दोस्त ने किया दुष्कर्म, दोनों गिरफ्तार

ग्वालियर. ग्वालियर में 19 वर्षीय युवती से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। झांसी रोड थाना क्षेत्र की पारस विहार कॉलोनी में बुधवार सुबह यह वारदात उस समय हुई, जब युवती घर पर अकेली थी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता के अनुसार बिलौआ निवासी राजवीर कुशवाह उसकी मां का दूर का रिश्तेदार है और अक्सर उनके घर आता-जाता था। बुधवार सुबह उसने युवती की मां को फोन कर बताया कि वह सब्जी लेकर आ रहा है। उस समय मां घर से बाहर काम पर जा चुकी थीं। सब्जी देने के बाद राजवीर चला गया, लेकिन कुछ देर बाद वह अपने दोस्त सतीश कुशवाह के साथ वापस लौटा। जब युवती ने दरवाजा खोला तो दोनों अंदर आ गए। घर में अकेली देखकर राजवीर ने कमरे की कुंडी लगा दी।

इसके बाद सतीश ने युवती के हाथ-पैर पकड़े और दोनों ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उन्होंने मारपीट की और जान से मारने की धमकी भी दी। वारदात के बाद दोनों मौके से फरार हो गए।

घटना की जानकारी युवती ने अपनी बड़ी बहन और मां को दी, जिसके बाद परिवार उसे थाने लेकर पहुंचा। शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों राजवीर कुशवाह और सतीश कुशवाह को उनके घरों से गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ गैंगरेप समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बुरहानपुर में गन्ने के खेत में लगी आग, किसान को लाखों का नुकसान

बुरहानपुर (म.प्र.), एजेंसी। बुरहानपुर के निंबोला स्थित असीरगढ़ रोड स्टेशन के पास एक गन्ने के खेत में बुधवार शाम करीब 4 बजे अचानक आग लग गई। इस घटना से आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। किसान मनोज तारवाला के खेत में लगी इस आग से उनकी पूरी गन्ने की फसल जल गई। साथ ही खेत में लगे ड्रीप पाइप और पीयूसी पाइप भी जलकर नष्ट हो गए। आगजनी से किसान को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। सूचना मिलने पर बुरहानपुर और नेपानगर से दो फायर फाइटर मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। तेज हवा के कारण आग लगातार भड़कती रही, जिससे नियंत्रण मुश्किल हो रहा था।

अग्निशामक वाहनों के साथ-साथ ग्रामीणों और आसपास के खेतों के किसानों ने भी आग बुझाने में मदद की। काफी प्रयासों के बावजूद आग पूरी गन्ने की फसल में फैल गई, जिससे किसान को भारी आर्थिक क्षति हुई।

असंतुलित होकर खाई में गिरी बाइक, युवक घायल झाबुआ पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

झाबुआ, एजेंसी। झाबुआ पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए सफलता हासिल की है। यातायात पुलिस ने एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाई। वहीं कोतवाली पुलिस ने माता-पिता की डांट से घर से भागे एक नाबालिग बालक को महज 6 घंटे में सकुशल ढूंढा।

मोड़ पर असंतुलित होकर खाई में गिरी बाइक : यातायात थाना प्रभारी कमल मिंदल ने बताया कि कल्याणपुरा से मेघनगर जाते समय एक बाइक सवार मोड़ पर असंतुलित होकर खाई में गिर गया। बाइक पेड़ से टकराकर पत्थर से जा भिड़ी, जिससे युवक के सिर में गंभीर चोट आई। घटना बुधवार शाम 6:30 बजे की है।

पुलिस टीम ने बिना देरी किए घायल युवक को यातायात पुलिस

की मोबाइल वैन से तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में युवक को एडमिट कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। अस्पताल में युवक को एडमिट कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

माता-पिता की डांट से नाराज होकर घर से भाग छात्र : कोतवाली झाबुआ पुलिस ने एक नाबालिग बच्चे को महज 6 घंटे में सकुशल बरामद किया। बुधवार दोपहर लगभग 4 बजे बालक के परिजनों ने थाना कोतवाली झाबुआ में उसके गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस पर अपराध क्रमांक प्रकरण दर्ज किया गया।

कोतवाली टीआई आर सी भास्करे ने बताया कि आईपीएस स्कूल का 9वीं कक्षा का छात्र माता-पिता की डांट से नाराज होकर घर से भाग गया था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।

गुजरात से दाहोद से नाबालिग को ढूंढ़ा : संभावित स्थलों का निरीक्षण किया गया, तकनीकी विश्लेषण का उपयोग किया गया और सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस की सतर्कता और त्वरित समन्वय के कारण नाबालिग बालक को गुजरात राज्य के दाहोद से सुरक्षित बरामद कर लिया गया। बालक को उसके परिजनों को सौंप दिया गया है।

ग्वालियर कृषि विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह : मंच पर सिंधिया ने मंत्रियों को पहनाई पगड़ी; कहा- अब दुनिया का भारत पेट भर रहा है

ग्वालियर. ग्वालियर के राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को 11वां दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी इस समारोह में शामिल हुए। समारोह के दौरान एक दिलचस्प दृश्य देखने को मिला जब सिंधिया ने कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना और ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को अपने हाथों से पगड़ी पहनाई। दरअसल दोनों मंत्री बिना पगड़ी के पहुंचे थे, जिसे देखकर सिंधिया ने तुरंत पगड़ियां मंगवाई और उन्हें पहनाकर सम्मान दिया। यह पल समारोह में चर्चा का विषय बन गया। दीक्षांत समारोह में 543 छात्रों को डिग्रियां दी गईं। इनमें 246 स्नातक, 254 स्नातकोत्तर और 30 पीएचडी के छात्र शामिल रहे। इस बार गोल्ड मेडल जीतने

वाले सभी चार छात्राएं रहीं, जिसे देखकर कुलपति प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला ने गर्व जताया। समारोह से पहले केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने छात्रों द्वारा तैयार कृषि तकनीक के मॉडल भी देखे। मंच से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यहां बैठे छात्र सिर्फ ग्वालियर या मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि दुनिया का भविष्य हैं। सिंधिया ने कहा कि दीक्षांत समारोह जीवन में एक अध्याय के समाप्त होने और नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। पीएचडी प्राप्त करने वाले शोधार्थी डॉ. लोकेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि उन्होंने मूंगफली यानी ग्राउंडनट पर जेनेटिक रिसर्च किया, जिससे पता लगाया जा सकता है कि फसल जल्दी या देर से क्यों आती है।वहीं यशवंत गेहलोत ने बताया कि उनका रिसर्च मिट्टी में बायो कार्बन बढ़ाने पर था, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है। मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि आज भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले नंबर पर है। फल और सब्जी उत्पादन में दूसरे और अनाज उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा हमारे अन्नदाता सिर्फ भारत ही नहीं, दुनिया का पेट भर रहे हैं।

सिंधिया ने कृषि में तकनीक, विज्ञान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने में कृषि विश्वविद्यालय और राज्य सरकार लगातार काम कर रहे हैं।

खंडवा में बच्चे के गले में घड़ी का सेल अटका

जिला अस्पताल में डॉक्टर ने टेलिस्कोप की मदद से 15 मिनट में निकाला

खंडवा, एजेंसी। बुरहानपुर के रहने वाले 10 वर्षीय कृष्णा पिता रामेश्वर ने खेल-खेल में घड़ी का सेल निगल लिया, जो उसके गले के निचले हिस्से में फंस गया। इससे उसे बेचैनी, दर्द और सांस लेने में तकलीफ होने लगी और वह बेहोश हो गया। माता-पिता घबराकर उसे तुरंत खंडवा के जिला अस्पताल सह मेडिकल कॉलेज लेकर आए। घटना बुधवार दोपहर की है।

टेलीस्कोप की मदद से निकाला: मेडिकल कॉलेज के नाक कान गला रोग विभाग में बच्चे का एक्स-रे किया गया, तो पता चला कि घड़ी का एक सेल आहार नली के निचले भाग में फंसा है। नाक कान गला रोग (ईएनटी) विशेषज्ञ डॉ. सुनील बाजोलिया और उनकी टीम ने

दूरबीन पद्धति (टेलिस्कोप मेथड) से ऑपरेशन कर कृष्णा के गले से सेल को बाहर निकाला। डॉ. सुनील बाजोलिया ने बताया कि बैटरी में मौजूद रसायन शरीर के ऊतकों को गला सकता था, जिससे बच्चे की जान को खतरा हो सकता था।

बच्चा अब पूरी तरह स्वस्थ्य: जिला अस्पताल के डॉक्टर्स की टीम ने सही समय पर जटिल ऑपरेशन कर बच्चे की जान बचाई।

बच्चा कृष्णा अब पूरी तरह से स्वस्थ है और अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर पर स्वास्थ्य लाभ ले रहा है। बच्चे के पिता रामेश्वर जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज की टीम का आभार प्रकट किया।

विश्वनाथन आनंद : मद्रास का शेर, जिसने भारतीय शतरंज में क्रांति ला दी

नई दिल्ली, एजेंसी। शतरंज की दुनिया में भारत का नाम रोशन करने वाले विश्वनाथन आनंद को मद्रास का शेर कहा जाता है। वो शख्स, जिसने भारतीय शतरंज में क्रांति ला दी। वैश्विक स्तर पर अमिट छाप छोड़ने वाले विश्वनाथन आनंद ने अपनी प्रतिभा और लगन के साथ दुनिया के चुनिंदा लोगों के बीच अपना वर्चस्व कायम किया है। 11 दिसंबर 1969 को तमिलनाडु के मयिलादुथुराई (तत्कालीन मद्रास) में जन्मे आनंद को बचपन से ही शतरंज में रुचि थी। विश्वनाथन आनंद बेहद तेज दिमाग के बच्चे थे। मां सुशीला ने बेटे की प्रतिभा को पहचान लिया था। ऐसे में उन्हें शतरंज से परिचित कराया। महज 6 साल की उम्र में ही विश्वनाथन आनंद खुद से बड़े बच्चों को इस खेल में मात देने लगे थे। विश्वनाथन आनंद के पिता को इस बीच फिलीपींस में जॉब का ऑफर मिला। माता-पिता के साथ महज 8 साल के विश्वनाथन आनंद मनीला पहुंच गए, जहां उन्होंने इस खेल के गुर सीखे। ये वो दौर था, जब इस खेल में रूस और यूरोप के खिलाड़ियों का दबदबा था। महज 14 साल की उम्र में ही विश्वनाथन आनंद सब-जूनियर शतरंज चैंपियनशिप अपने नाम कर चुके थे। 15 साल की उम्र में उन्होंने सबसे कम उम्र के अंतरराष्ट्रीय मास्टर बनने का गौरव हासिल कर लिया था। यही वजह रही कि उन्हें लाइटनिंग किड का उपनाम मिला। साल 1985 में विश्वनाथन आनंद को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। साल 1988 में विश्वनाथन आनंद देश के पहले ग्रैंडमास्टर बन गए। यह पूरे देश के लिए गौरव की बात थी। विश्वनाथन आनंद की इस उपलब्धि ने देश के लाखों युवाओं को शतरंज से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इसी साल उन्हें पद्मश्री अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया। साल 1995 में विश्वनाथन आनंद ने गैरी कास्पारोव के खिलाफ अपना पहला विश्व शतरंज चैंपियनशिप मैच खेला। न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल में खेले गए इस मैच में भले ही आनंद जीत दर्ज नहीं कर सके, लेकिन विश्व में अपनी पहचान बना ली थी।

वेलिंगटन टेस्ट: न्यूजीलैंड ने पहली पारी में वेस्टइंडीज पर 73 रन की बढ़त बनाई

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट वेलिंगटन में खेला जा रहा है। दूसरे दिन न्यूजीलैंड की पहली पारी 278 रन पर समाप्त हुई। पहली पारी के आधार पर कीवी टीम ने वेस्टइंडीज पर 73 रन की बढ़त बनाई है। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 24 रन से की थी। 36 के स्कोर पर उन्हें कप्तान टॉम लैथम के रूप में पहला झटका लगा। वह 11 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे ने 108 गेंद पर 8 चौकों की मदद से 60 और विकेटकीपर बल्लेबाज मिशेल हे ने 93 गेंद पर 1 छक्का और 9 चौकों की मदद से 61 रन बनाए। इन दोनों के अलावा केन विलियमसन ने 37, डेरिल मिचेल ने 25 रन बनाए। जकारी फॉल्क्स 23 रन बनाकर नाबाद रहे। ब्लेयर टिकनर इंजरी की वजह से बल्लेबाजी करने नहीं आए। इस वजह से न्यूजीलैंड को अपनी पारी 9 विकेट पर 278 रन बनाकर घोषित करनी पड़ी। वेस्टइंडीज के लिए एंडरसन फिलिप ने 3, केमार रोच ने 2 विकेट लिए। जायडन सिल्स, ओजे शिल्ड्स, जस्टिन ग्रिव्स और रोस्टन चेज को 1-1 विकेट मिला। वेस्टइंडीज की पहली पारी 205 रन पर समाप्त हुई थी। शाई होप ने सर्वाधिक 47 और जॉन कैंपबेल ने 44 रन की पारी खेली थी।

आखिर कब चलेगा सूर्यकुमार यादव का बल्ला?

पिछली 19 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम का टी20 में प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने एक भी टी20 सीरीज नहीं गंवाई है। ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराने के बाद भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी टी20 सीरीज की शुरुआत जीत के साथ की है। टी20 फॉर्मेट में अगर भारत की सबसे बड़ी परेशानी कुछ है, तो वो कप्तान सूर्यकुमार यादव की खराब फॉर्म है। सूर्यकुमार यादव को कभी टी20 का राजा कहा जाता था। अपनी विस्फोटक और निरंतर रन बनाने की प्रवृत्ति की वजह से वह लंबे समय तक इस फॉर्मेट में आईसीसी के नंबर एक बल्लेबाज रहे, लेकिन कप्तानी मिलने के बाद उनकी फॉर्म में बड़ी गिरावट आई है। आईसीसी की रैंकिंग में वह दसवें नंबर पर पहुंच गए हैं, और यही स्थिति रही, तो वह जल्द ही शीर्ष 10 से बाहर हो जाएंगे। सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कटक में खेले गए पहले टी20 में 11 गेंदों पर 12 रन बनाए। यह उनकी लगातार 19वीं पारी थी, जिसमें उनके बल्ले से अर्धशतक नहीं आया। पिछली 19 पारियों में उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 47 रन है, जो उन्होंने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में बनाया था। इसके अलावा पिछली 19 पारियों में वह तीन बार बिना खाता खोले आउट हुए हैं, तो 7 बार दो अंकों में नहीं पहुंच सके हैं। कुल मिलाकर पिछली 19 पारियों में सूर्या के बल्ले से 222 रन निकले हैं।

टी20 विश्व कप 2026 का आयोजन भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होना है। विश्व कप से पहले अगर भारतीय कप्तान फॉर्म में नहीं लौटे तो टीम को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। सूर्यकुमार ने टी20 का अपना आखिरी अर्धशतक 12 अक्टूबर 2024 को बांग्लादेश के खिलाफ लगाया था। उस मैच में उन्होंने 35 गेंद पर 5 छक्के और 8 चौकों की मदद से 75 रन की पारी खेली थी। 2021 में अपने टी20 करियर का आगाज करने वाले सूर्यकुमार यादव ने 96 टी20 मैचों की 90 पारियों में 36.39 की औसत और 164.06 की स्ट्राइक रेट से 2,766 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार यादव ने 21 अर्धशतक और 4 शतक लगाए हैं।

वर्ल्ड पिकलबॉल लीग के सिद्धार्थ शंकर बने 7वीं फ्रेंचाइज़ी 'जयपुर जिन्स' के मालिक

मुंबई। यूनाइटेड किंगडम स्थित टेल्स ट्रेडिंग के चेयरमैन और कॉमर्ज लिमिटेड के ग्लोबल सीओओ-अरबपति निवेशक और उद्यमी सिद्धार्थ शंकर ने आज वर्ल्ड पिकलबॉल लीग में निवेश की घोषणा करते हुए नई फ्रेंचाइज़ी जयपुर जिन्स का अधिग्रहण किया। इस अहम विस्तार के साथ, डब्ल्यूपीबीएल अपने बहुप्रतीक्षित सीज़न 2 से पहले सात टीमों का बड़ा लीग बन गया है। जयपुर जिन्स के लीग से जुड़ने के साथ डब्ल्यूपीबीएल सीज़न 2 में अब 90 की जगह 120 मैच खेले जाएंगे। आगामी संस्करण में 16 दिनों तक लगातार स्पोर्ट्स और एंटरटेनमेंट का रोमांच रहेगा, जहां टीमें 24 जनवरी 2026 से मुंबई के जियो वर्ल्ड गार्डन में प्रतिष्ठित डब्ल्यूपीबीएल खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। सीज़न 1 की सफलता के बाद, डब्ल्यूपीबीएल ने अपने 'डब्ल्यूपीबीएल ऑन टूर प्रोग्राम' के जरिए सालभर देशभर में कम्युनिटी बेस्ड गतिविधियों से गति बनाए रखी। इस मल्टी-सिटी पहल ने खेल को लीग विंडो से बाहर भी आगे बढ़ाया, अधिक खिलाड़ियों तक पहुँच बनाई और ग्राससरूट लेवल पर जुड़ाव मजबूत किया। जयपुर जिन्स के जुड़ने से राजस्थान में भी डब्ल्यूपीबीएल की सक्रिय उपस्थिति बनेगी, जिससे एक नया रीजनल फैनबेस तैयार होगा और भारत के उभरते पिकलबॉल इकोसिस्टम को मजबूती मिलेगी। डब्ल्यूपीबीएल के संस्थापक और सीईओ गौरव नाटेकर ने कहा, हम सिद्धार्थ और जयपुर जिन्स का डब्ल्यूपीबीएल परिवार में स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। जब वैश्विक उद्यमी और लॉन्ग-टर्म निवेशक लीग में निवेश का निर्णय लेते हैं, तो यह हमारे विज़न की मजबूती को दर्शाता है। अपने स्पोर्ट्स और एंटरटेनमेंट के अनोखे मिश्रण के कारण डब्ल्यूपीबीएल तेजी से एक प्रभावी लीग बन रहा है। राजस्थान में विस्तार हमारी राष्ट्रीय और स्केलेबल लीग बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रासंगिक हो। सीज़न 2 और भी बड़ा और प्रतिस्पर्धी होगा, जिसमें अधिक खिलाड़ियों को एक्सपोज़र मिलेगा। जयपुर जिन्स के मालिक सिद्धार्थ शंकर ने कहा, मैं डब्ल्यूपीबीएल की ओर तब आकर्षित हुआ जब गौरव और आरती ने सिर्फ एक लीग नहीं, बल्कि एक पूरा इकोसिस्टम बनाने का विज़न साझा किया।

बाराबती स्टेडियम के आएंगे अच्छे दिन, दर्शकों के बैठने की क्षमता में हो सकता है इजाफा

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने संकेत दिया है कि कटक में स्थित बाराबती स्टेडियम की क्षमता में बड़े विस्तार का प्रस्ताव अभी राज्य सरकार के विचाराधीन है। सीएम ने बताया कि इस संबंध में ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन (ओसीए) ने राज्य सरकार को एक प्रस्ताव दिया है। इस स्टेडियम में 45,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता है। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार ने इस मामले पर विचार किया है। ओसीए और लोगों से बाराबती स्टेडियम के विस्तार और आधुनिकीकरण के बारे में एक प्रस्ताव मिला है। राज्य सरकार इस संबंध में बहुत जल्द फैसला करेगी। उन्होंने क्रिकेट मैच के सुचारू और बिना किसी परेशानी के आयोजन के लिए ओसीए के अधिकारियों, जिला प्रशासन, पुलिस और राज्य सरकार के संबंधित विभागों को भी धन्यवाद दिया। भारत ने साउथ अफ्रीका

के खिलाफ कटक मे खेले गए पहले टी20 मुकाबले को भारत ने अपने नाम किया। इस शानदार जीत के बाद सीएम माझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारतीय टीम को बधाई देते हुए लिखा था, साउथ अफ्रीका पर शानदार जीत के लिए टीम इंडिया को बधाई। इस मुकाबले के दौरान जो जुनून और खेल भावना दिखाई दी, वह सच में प्रेरणादायक थी। बाराबती यादगार क्रिकेट के पलों का मंच रहा है। इस मुकाबले के दौरान स्टेडियम को फिर से जोश में देखना उस शानदार विरासत को फिर से जीने जैसा लगा।

उन्होंने आगे कहा, इस इवेंट को आसान और यादगार बनाने वाले इंतजामों की खास तारीफ। एडमिनिस्ट्रेशन, स्पोर्ट्स बॉडीज और वॉलंटियर्स की मिलकर की गई कोशिशों ने वहां मौजूद सभी लोगों के लिए एक शानदार अनुभव सुनिश्चित किया। यह ओडिशा और भारत के लिए गर्व का पल है। शाबाश, टीम इंडिया। भारत ने मंगलवार को बाराबती स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट खोकर 175 रन बनाए। भारत की तरफ से हार्दिक पंड्या ने 59 रन की नाबाद पारी खेली। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम महज 12.3 ओवरों में ही सिमट गई। साउथ अफ्रीका के लिए देवाल्ड ब्रेविस ने सर्वाधिक 22 रन बनाए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने 2-2 विकेट हासिल किए।

टी20 सीरीज: हार्दिक पंड्या के पास गोल्डन चांस, अनूठे शतक से सिर्फ एक कदम दूर

मोहाली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच मुल्लांपुर स्थित महाराज यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार को दूसरा टी20 मैच खेला जाएगा, जिसमें हार्दिक पंड्या के पास टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में विकेटों का शतक पूरा करते हुए इतिहास रचने का मौका होगा। हार्दिक पंड्या अब तक भारत की तरफ से 121 टी20 मुकाबलों में 26.47 की औसत के साथ 99 विकेट हासिल कर चुके हैं। इस दौरान पंड्या ने 1,913 बॉल फेंकीं, जिसमें कुल 2,621 रन दिए। पंड्या ने इस फॉर्मेट में 3 बार पारी में चार विकेट हासिल किए हैं। इस बीच पंड्या बतौर बल्लेबाज 1,919 रन बना चुके हैं। उन्होंने 100 छक्के और 146 चौके लगाए हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सिर्फ तीन खिलाड़ियों ने 100 छक्के लगाने के साथ 100 विकेट अपने नाम किए हैं। फिलहाल इस लिस्ट में सिकंदर रजा (जिम्बाब्वे), मोहम्मद नबी (अफगानिस्तान) और वीरनदीप सिंह (मलेशिया) के नाम शामिल हैं।

वहीं, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विकेटों का शतक लगाने वाले भारतीयों की बात करें, तो इस लिस्ट में सबसे पहला नाम तेज गेंदबाज अर्शदीप

सिंह का है। इस 26 वर्षीय गेंदबाज ने 69 मुकाबलों में 18.37 की औसत के साथ 107 विकेट हासिल किए हैं।

जसप्रीत बुमराह इस लिस्ट में शामिल होने वाले दूसरे भारतीय हैं। बुमराह ने 81 मुकाबलों में 17.92 की औसत के साथ 101 विकेट निकाले हैं। बुमराह ने इसी सीरीज के पहले मैच में विकेटों का शतक पूरा किया था।

बुमराह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में 100 विकेट हासिल करने वाले दुनिया के पांचवें खिलाड़ी हैं। उनसे पहले ये कारनामा शाकिब अल हसन, लसिथ मलिंगा, टिम साउदी और शाहीन शाह अफरीदी ने किया था।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज 0-2 से गंवाने के बाद भारत ने तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की। इसके बाद टीम इंडिया ने कटक में खेले गए पहले टी20 मैच को 101 रन से जीता।

भारत ने कटक में खेले गए सीरीज के पहले मुकाबले में 6 विकेट खोकर 175 रन बनाए। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 12.3 ओवरों में सिर्फ 74 रन पर सिमट गई थी।

हरमनप्रीत कौर-युवराज सिंह को सम्मान, इस क्रिकेट स्टेडियम में बनेगा उनके नाम का स्टैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर मोहाली में स्थित मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में एक स्टैंड का नाम रखने की घोषणा की है। उनके साथ युवराज सिंह के नाम पर भी यहां स्टैंड का उद्घाटन होगा। इसके अलावा, हरमनप्रीत कौर के साथ अमनजोर कौर को इनामी राशि भी दी जाएगी। भारतीय क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और खिलाड़ियों की ऐतिहासिक उपलब्धियों पर आज कई स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म, जैसे Betwinner India, भी खास नज़र रख रहे हैं, जो भारतीय खेलों में लगातार बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाता है।

पीसीए के कार्यवाहक सचिव सिद्धार्थ शर्मा ने आईएएनएस से कहा, इन खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप जीतने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। हमने उनके नाम पर एक स्टैंड की घोषणा की है। 11 दिसंबर को भारत-साउथ अफ्रीका मैच में इसका उद्घाटन होगा। उन्होंने कहा, यहां दो बार के वर्ल्ड कप चैंपियन युवराज सिंह के नाम से स्टैंड का भी उद्घाटन होगा। हरमनप्रीत कौर और अमनजोत कौर को इनामी राशि दी जाएगी। यह स्टैंड न्यू मुल्लापुर में नए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा। यह उनके लिए एक छोटी सी चीज है, उन्होंने पूरे देश को विश्व कप खिताब जिताया है। यह उनकी उपलब्धि के लिए हमारी तरफ से एक छोटी सी भेंट है। सिद्धार्थ शर्मा मानते हैं कि इन महिला खिलाड़ियों को देखकर ही युवा लड़कियां भी इस खेल से जुड़ेंगी। उन्होंने कहा, विमेंस क्रिकेट में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिगेज जैसी खिलाड़ियों को देखकर ही युवा आगे आएंगी।

चांदी पर बैठना पसंद नहीं, मेरा लक्ष्य सोना: रवि दहिया

नई दिल्ली, एजेंसी। रवि कुमार दहिया भारतीय कुश्ती का ऐसा नाम है जिनसे भविष्य में देश को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर स्वर्णिम प्रदर्शन की उम्मीद है। रवि दहिया के नाम से मशहूर इस पहलवान का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के नहरी में 12 दिसंबर 1997 को हुआ था। हरियाणा को भारतीय कुश्ती का केंद्र माना जाता है। रवि को अपने प्रदेश के साथ ही कुश्ती का प्रभाव अपने घर में भी देखने को मिला। रवि के पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनकी मां ऊर्मिला देवी और चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने अथक परिश्रम से सफल और समृद्ध बनाया है। रवि ने महज 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर आते थे। यह प्रक्रिया तब तक जारी थी। रवि के एक बड़े पहलवान के रूप में लोकप्रिय होने तक यह प्रक्रिया जारी रही। ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है।

सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी। सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त जैसे पहलवानों ने सतपाल सिंह से ही प्रशिक्षण लिया था और आगे चलकर ओलंपिक पदक विजेता बने। ओलंपिक पदक विजेताओं में रवि

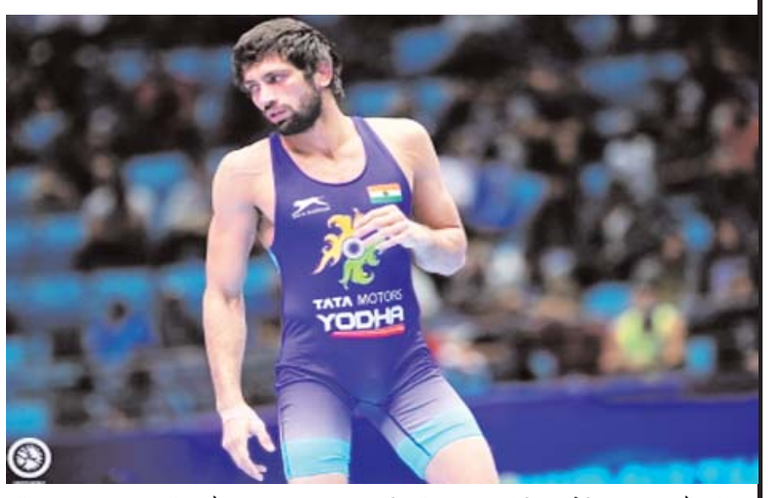

दहिया का नाम भी शामिल है।

रवि को सबसे पहले बड़ी पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह सुनिश्चित की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप के बादशाह हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीते थे।

दहिया के जीवन का सबसे बड़ा क्षण टोक्यो ओलंपिक था। 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीत वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। हालांकि फाइनल में मिली हार से रवि खुश नहीं थे। उन्होंने कहा था, मैं चांदी पर नहीं बैठ सकता। सोना ही मेरा लक्ष्य है।

टोक्यो ओलंपिक के बाद 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में रवि दहिया ने स्वर्ण पदक जीता। 2024 में पेरिस में हुए ओलंपिक में जगह बनाने में सफल नहीं रहे रवि अब अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। फ्रीस्टाइल कुश्ती के इस धाकड़ पहलवान से देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। भारत सरकार रवि दहिया को पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित कर चुकी है।

बीएफआई को एलीट नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप करनी पड़ी रीशेड्यूल

नई दिल्ली, एजेंसी। 9वीं एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को उत्तर भारत में प्रदूषण के नियमों की वजह से रीशेड्यूल करना पड़ा है। पहले ये चैंपियनशिप 31 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में होनी थी, लेकिन अब इसे अगले साल 4-10 जनवरी के बीच आयोजित किया जाएगा। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया कि सरकार की ओर से अनिवार्य किए गए और 31 दिसंबर 2025 तक लागू प्रदूषण नियंत्रण उपायों को देखते हुए चैंपियनशिप अब 4-10 जनवरी 2026 के बीच उसी वेन्यू पर होगी। चैंपियनशिप को लेकर शेष सभी इंतजाम वैसे ही रहेंगे। इसे लेकर सभी ताजा अपडेट शेयर किए जाएंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है जब बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप को एक साथ होस्ट करने जा रहा है। इस चैंपियनशिप में भारत के टॉप सीनियर मुक्केबाज एक ही छत के नीचे आएंगे। इसमें 10-10 भार वर्ग में मुकाबले खेले जाएंगे।

इस चैंपियनशिप में सर्विसेज डिफेंडिंग मेंस नेशनल चैंपियंस के तौर पर एंट्री करेगी, जबकि रेलवे की विमेंस टीम चैंपियनशिप का टाइटल बरकरार रखना चाहेगी।

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने प्रेस रिलीज में कहा, देशभर की यूनिट्स पुरुषों और महिलाओं के लिए 10-10 वेट कैटेगरी में मुकाबला करेंगी, जो वर्ल्ड बॉक्सिंग टेक्निकल और कॉम्पिटिशन रूल्स का पूरी तरह से पालन करेगी। प्रत्येक यूनिट को हर कैटेगरी में एक बॉक्सर उतारने की इजाजत है। इसमें किसी रिजर्व की अनुमति नहीं है। योग्य मुक्केबाज का जन्म 1 जनवरी 1985 और 31 दिसंबर 2006 के बीच होना अनिवार्य है।

इस चैंपियनशिप के सभी मैच इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन फॉर्मेट को फॉलो करेंगे। बाउट के दौरान तीन-तीन मिनट के तीन राउंड होंगे। प्रत्येक दो राउंड के बीच एक मिनट का रेस्ट पीरियड और 10-प्वाइंट मस्ट स्कोरिंग सिस्टम होगा।

अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक चक्र की ओर बढ़ते हुए, 9वीं एलीट पुरुष एवं महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप एक बार फिर भारत के एलीट कार्यक्रम में प्रवेश का प्रमुख द्वार बन गई है।

धान परिवहन में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्यवाही करें : कलेक्टर

उपार्जित धान का तत्काल स्वीकृति पत्रक जारी कर भुगतान कराएं : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित जिला उपार्जन समिति की बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि उपार्जित धान का किसानों को समय पर भुगतान कराएं। खरीदी केन्द्र से धान का सुरक्षित भण्डारण कराकर स्वीकृति पत्र जारी करें। आगामी दो दिवसों में उपार्जित धान की राशि का शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करें।

महाप्रबंधक सहकारी बैंक, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम, जिला आपूर्ति अधिकारी तथा जिला प्रबंधक वेयर हाउस उपार्जन के संबंध में समन्वय से समस्त कार्यवाहियाँ करें। धान के उपार्जन में किसानों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। कलेक्टर ने कहा कि जो खरीदी केन्द्र वेयरहाउस में बनाए गए हैं उनके स्वीकृति पत्र खरीदी के दिन ही जारी कराएं, जिससे किसानों को भुगतान हो सके। सहकारी समितियों में लगभग 50 हजार क्विंटल धान की खरीद हो चुकी है। परिवहनकर्ता से दो दिवस में पूरी धान का परिवहन कराकर सुरक्षित भण्डारण कराएं। धान के परिवहन में देरी करने पर किसानों को भुगतान में देरी होती है। परिवहनकर्ता पर्याप्त ट्रक लगाकर तत्काल धान का उठाव कराएं। धान के परिवहन में लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्यवाही करें। अपर कलेक्टर तथा अन्य राजस्व अधिकारी खरीदी केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करें। कृषि विभाग तथा खाद्य विभाग के अधिकारी भी धान उपार्जन की निगरानी करें।

कलेक्टर ने कहा कि सभी खरीदी केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में बारदाने उपलब्ध करा दें। केवल निर्धारित गुणवत्ता का धान ही उपार्जन करें। किसानों को सूखी और साफ-सुथरी धान उपार्जन के लिए उपलब्ध कराने की समझाइश दें। खरीदी केन्द्र में केवल पंजीकृत किसान की ही धान ली जाएगी। इसे सुनिश्चित करें। धान उपार्जन में अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही के लिए तैयार रहें। बैठक में महाप्रबंधक सहकारी बैंक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि रविवार तक उपार्जित धान की 85 प्रतिशत राशि का भुगतान कर दिया जाएगा। भुगतान के लिए टीम तैनात कर दी गई है। जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश ताण्डेकर ने बताया कि दो दिन में पूरी धान का उठाव करके सुरक्षित भण्डारण कराया जाएगा। स्वीकृति पत्रक जारी करने के लिए अतिरिक्त व्यवस्था कर दी गई है। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी तथा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

एनएसयूआई का उग्र प्रदर्शन, राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी का पुतला दहन गांजा तस्करी मामले में कार्रवाई की मांग तेज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एनएसयूआई ने गांजा तस्करी मामले में राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के भाई का नाम सामने आने के बाद जोरदार प्रदर्शन किया। जिला एनएसयूआई अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शहर में रैली निकालते हुए मंत्री प्रतिमा बागरी का पुतला दहन किया और सरकार पर मामले को दबाने का आरोप लगाया।

जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि जिस मामले में पूरे प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं उसी में सत्ता पक्ष के प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आ रहे हैं, लेकिन सरकार कार्रवाई करने से बच रही है। उन्होंने कहा सरकार मामले को दबाने की कोशिश कर रही है। सत्ता में बैठे लोगों के रिश्तेदार ही इस तरह के अपराधों में लिप्त पाए जा रहे हैं। जब तक निष्पक्ष जांच नहीं होगी एनएसयूआई का आंदोलन जारी रहेगा। मंत्री को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए और आरोपी पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में बढ़ते नशे के मामलों ने युवाओं का भविष्य खतरे में डाल दिया है लेकिन सत्ता पक्ष के प्रभावशाली लोगों पर कार्रवाई ठंडी पड़ जाती है। इसलिए वे सड़क पर उतरकर आवाज उठाने को मजबूर हैं।

पुतला दहन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिनमें युवा कांग्रेस रीवा विधानसभा उपाध्यक्ष शिवम् मिश्रा एनएसयूआई प्रदेश सह सचिव निकिता शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्रा रॉबिंसन साकेत टिंकू संगठन मंत्री शशिमोल तिवारी रीवा विधानसभा अध्यक्ष संस्कार त्रिपाठी टीआरएस कॉलेज इकाई अध्यक्ष नित्कर्ष मिश्रा सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष अनुराग सिंह ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह जिला सचिव अमर शुक्ला सानुराग सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहे।

एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन और अधिक उग्र किया जाएगा।

जिला पोषण समिति एवं स्वास्थ्य समिति की बैठक 12 को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत गठित जिला पोषण समिति तथा स्वास्थ्य विभाग में गठित जिला स्वास्थ्य समिति की संयुक्त बैठक 12 दिसम्बर को आयोजित की जा रही है। बैठक सुबह 11.45 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आरंभ होगी। बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के कलेक्टर्स कांफ्रेंस में शामिल एजेण्डा बिन्दुओं में की गई कार्यवाही की समीक्षा करेंगी।

कटरा-मऊगंज मार्ग पर ईंट से लदा ट्रक पलटा, नईगढ़ी के पास देर रात हादसा; पुलिस ने किया डायवर्जन

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। नईगढ़ी थाना क्षेत्र में कटरा-मऊगंज मुख्य मार्ग पर बुधवार देर रात एक ईंट लदा ट्रक पलट गया। बहुती गांव के पास हुए इस हादसे में ट्रक चालक और खलासी घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हादसे के कारण सड़क पर ईंटें बिखर गईं, जिससे आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई। यह घटना बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब 1:30 बजे हुई। ट्रक (क्रमांक पी 70 जीटी 9037) बेकाबू होकर सड़क के बीचो-बीच पलट गया।

ट्रक चालक शिवम सिंह (निवासी रौसर, उत्तर प्रदेश) ने बताया कि बहुती गांव के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप को बचाने के प्रयास में उनका वाहन पलट गया। हादसे में चालक शिवम सिंह और खलासी शिवेंद्र सिंह (17 वर्ष, निवासी ग्राम पुस्ता, थाना रामपुर नैकिन) घायल हो गए। सूचना मिलते ही 112 पुलिस की इमरजेंसी टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को सिविल अस्पताल मऊगंज पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत सामान्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

घटना की जानकारी मिलते ही नईगढ़ी थाना प्रभारी जगदीश सिंह ठाकुर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि ट्रक चालक की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। मुख्य मार्ग बाधित होने के कारण पुलिस ने वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से डायवर्ट किया।

ईंटों को हटाने के लिए जेसीबी मशीन बुलाई: सड़क से ट्रक और बिखरी ईंटों को हटाने के लिए जेसीबी मशीन बुलाई गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क साफ करने का काम जारी है और जल्द ही मार्ग को पूरी तरह से बहाल कर दिया जाएगा। देर रात हुए इस हादसे से यात्रियों को कुछ समय के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा, हालांकि पुलिस की तत्परता से सुबह तक आंशिक रूप से आवाजाही शुरू कर दिया गया था।

आदतन अपराधी पर प्रशासन की कार्रवाइ, एक साल तक हर 15 दिन में देनी होगी थाने में हाजिरी

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। प्रशासन ने शाहपुर थाना क्षेत्र के आदतन अपराधी अभय मिश्रा को एक साल तक नियमित अंतराल पर थाने में हाजिरी देने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। कलेक्टर और जिला दण्डाधिकारी संजय कुमार जैन ने धर्मपुरा, शाहपुर निवासी अभय मिश्रा (सत्यप्रकाश मिश्रा, उम्र 21 वर्ष) को यह आदेश जारी किया है। इसके तहत, अभय मिश्रा को एक साल तक प्रत्येक 15 दिन में शाहपुर थाने में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने बुधवार की शाम पत्रकारों को इस कार्रवाई की विस्तृत जानकारी दी। अभय मिश्रा के विरुद्ध शाहपुर थाने में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन मामलों के मद्देनजर उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की आवश्यकता की गई थी। कलेक्टर कार्यालय की ओर से अभय को नोटिस जारी कर सुनवाई की गई, जिसमें उसके लगातार आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहने के प्रमाणों के आधार पर यह आदेश पारित किया गया। प्रशासन का उद्देश्य है कि इस नियमित हाजिरी से अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके और आरोपी की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा सके।

वंदे मातरम् विवाद पर समाजसेवी डॉ. पन्नालाल अवस्थी ने दी प्रतिक्रिया राष्ट्रीय गीत भावनाओं का विषय बाध्यता नहीं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। वंदे मातरम् को लेकर देशभर में जारी बहस पर वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. पन्नालाल अवस्थी ने संतुलित और महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस विवाद का मूल मुद्दा यह नहीं है कि राष्ट्रगीत श्रेष्ठ है या नहीं बल्कि यह है कि क्या इसे गाना अनिवार्य होना चाहिए या यह नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर छोड़ा जाना चाहिए। डॉ. अवस्थी के अनुसार भारत जैसे विविधता वाले देश में प्रत्येक सांस्कृतिक प्रतीक की अलग-अलग व्याख्या होना स्वाभाविक है और इसी विविध सोच से लोकतंत्र मजबूत होता है।

उन्होंने बताया कि विवाद का दूसरा प्रमुख पहलू गीत की धार्मिक व्याख्या से जुड़ा है। कुछ लोग माता शब्द के देवी-रूपक से असहज होते हैं वहीं अधिकांश लोग इसे मातृभूमि के सम्मान और काव्यात्मक रूपक के रूप में देखते हैं। इसी व्याख्या के अंतर के कारण अनावश्यक टकराव खड़ा हो जाता है।

डॉ. अवस्थी ने कहा वंदे मातरम् पिछले 150 वर्षों से हमारी राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता संग्राम का अभिन्न प्रतीक रहा है। संविधान ने इसे राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया है, लेकिन इसे अनिवार्य नहीं किया गया क्योंकि देशभक्ति भावनाओं से उपजती है, मजबूरी से नहीं।

उन्होंने राजनीतिकरण पर चिंता जताते हुए कहा कि गीत में कोई समस्या नहीं, समस्या तब पैदा होती है जब इसे राजनीतिक बहस का हथियार बना दिया जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वंदे मातरम् को जोड़ने का माध्यम बनने दें न कि समाज में विभाजन का कारण।

एनेस्थीसिया इंजेक्शन के बाद प्रसूता की मौत, डॉक्टर बोले-मौत का कारण स्पष्ट नहीं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय गांधी स्मारक चिकित्सालय में बुधवार रात एनेस्थीसिया का इंजेक्शन लगाए जाने के कुछ देर बाद एक प्रसूता की मौत हो गई। मृतका की पहचान पनवार निवासी 26 वर्षीया शशि मिश्रा के रूप में हुई है। परिजनों ने आरोप लगाया कि ऑपरेशन के बाद महिला की हालत बिगड़ने लगी, लेकिन समय रहते उसे देखने कोई नहीं आया। महिला को 9 दिसंबर को भर्ती कराया गया था।

पति का आरोप-एनेस्थीसिया इंजेक्शन के बाद हुई मौत: पति का आरोप है कि 'एनेस्थीसिया का इंजेक्शन लगने के कुछ ही मिनट बाद शशि की हालत खराब होने लगी। मैं दौड़कर नर्स और अस्पताल स्टाफ को बुलाने गया, लेकिन उन्होंने कहा कि इंजेक्शन की वजह से ऐसा हो रहा होगा, थोड़ी देर में ठीक हो जाएगी। कोई चेक करने तक नहीं आया और उसी दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि शशि पूरी तरह स्वस्थ अवस्था में अस्पताल आई थी और परिवार को बच्चे के जन्म की उम्मीद थी।

लेकिन ऑपरेशन के बाद अचानक तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। वहीं उसके नवजात बच्चे की हालत सामान्य बताई जा रही है। एक अन्य प्रसूता का भी बुधवार को ऑपरेशन हुआ था, जिसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है और वह अस्पताल में जिंदगी-मौत से जूझ रही है।

अपर सत्र न्यायालय रीवा का बड़ा फैसला

हत्या के प्रयास के मामले में कमलेश यादव बरी अभियोजन 9 गवाहों के बावजूद आरोप सिद्ध करने में असफल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पुलिस थाना रायपुर कर्चुलियान में वर्ष 2016 में दर्ज हुए हत्या के प्रयास के एक महत्वपूर्ण मामले में अपर सत्र न्यायालय रीवा ने आरोपी कमलेश यादव को दोषमुक्त कर दिया है। यह मामला तब सामने आया था जब लखैया निवासी नंदलाल मिश्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कमलेश यादव ने कथित तौर पर उसकी हत्या करने के इरादे से कुल्हाड़ी से हमला किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया था। लगभग नौ वर्ष पुराने इस मामले का विचारण तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश रीवा के न्यायालय में संपन्न हुआ। अभियोजन पक्ष ने घटना को प्रमाणित करने के उद्देश्य से कुल 9 गवाहों को अदालत में पेश किया जिनमें शिकायतकर्ता की बयानबाजी भी शामिल रही। हालांकि गवाहों के बयानों में स्पष्ट विरोधाभास पाए गए और घटनास्थल हथियार एवं घटना-समय से संबंधित तथ्यों की पुष्टि मजबूत साक्ष्यों से नहीं हो सकी। विस्तृत सुनवाई एवं समग्र साक्ष्यों के मूल्यांकन के बाद अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि जब तक किसी आरोपी पर लगे आरोप पूर्ण रूप से सिद्ध न हों उसे दोषमुक्त करना ही विधि सम्मत है।अदालत के इस निर्णय के साथ कमलेश यादव हत्या के प्रयास के सभी आरोपों से बरी हो गए। मामले में आरोपी की ओर से प्रभावी पैरवी अधिवक्ता राजीव सिंह परिहार (शेरा सिंह) द्वारा की गई।

सीएम राइज़ स्कूल मनगवां में जल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर परिषद मनगवां के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (सी.एम. राइज़ स्कूल) में मध्यप्रदेश शहरी सेवा उन्नयन परियोजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 400 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को जल संरक्षण एवं शुद्ध जल के स्वास्थ्य लाभ के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उन्हें मीटर इंस्टालेशन की प्रक्रिया, उसके उचित रख-रखाव तथा इंस्टॉलेशन के दौरान संबंधित स्टाफ को सहयोग प्रदान करने के संबंध में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

व्यापारी महासंघ एवं साहू युवा संगठन ने विभिन्न जनसमस्याओं पर एसपी रीवा को सौंपा ज्ञापन गंभीर मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। व्यापारी महासंघ रीवा और साहू युवा संगठन ने जिले की कई गंभीर जनसमस्याओं और हालिया घटनाओं को लेकर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान को विस्तृत ज्ञापन सौंपा। संगठन के जिलाध्यक्ष एवं व्यापारी महासंघ के संस्थापक सदस्य बंसीलाल साहू ने बताया कि 08 दिसंबर 2025 को प्रतिनिधि मंडल ने एसपी से मुलाकात कर चार प्रमुख मामलों की जानकारी दी जिन पर एसपी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित थाना प्रभारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए।

ज्ञापन की पहली और सबसे गंभीर घटना मनगवा थाना क्षेत्र की रही जहां चाट का ठेला लगाकर जीविकोपार्जन करने वाले जितेंद्र साहू की दुकान में करंट लगने से मौत हो गई। आरोप है कि घटना के कई दिन बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। संगठन ने तत्काल अपराध पंजीबद्ध करने की मांग की। दूसरे प्रकरण में चोरहटा थाना क्षेत्र के पीड़ित राकेश साहू का मामला शामिल रहा जिसमें भूमि स्वामी द्वारा पूर्ण भुगतान लेने के बावजूद रजिस्ट्री नहीं की गई। संगठन ने पीड़ित को वर्तमान दर से राशि वापस दिलाने और भूमिस्वामी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज करने की मांग उठाई। तीसरे मामले में अचीवर्स क्रेडिट ऑपरेटिव सोसाइटी चितटपट द्वारा लगभग 400 लोगों से की गई कथित ठगी का उल्लेख किया गया। एसपी द्वारा साझा जानकारी के अनुसार बिछिया थाना पुलिस पीड़ितों के साथ आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु सतना रवाना हो चुकी है।

इसके अतिरिक्त संगठन ने समयलाल गुप्ता के चार दिनों से लापता होने की जानकारी भी दी तथा उनकी सुरक्षित बरामदगी की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान संजीव गुप्ता जगन्नाथ साहू शिवकुमार साहू (शेरा भैया) मोहित गुप्ता अनिल साहू सहित बड़ी संख्या में संगठन पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल से शुरू हुई सड़क सुरक्षा मुहिम, पुलिस ने छात्रों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी; हेलमेट की शपथ दिलाई

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज यातायात पुलिस ने नई पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देने के उद्देश्य से स्कूलों में जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में, यातायात प्रभारी नरेश प्रताप सिंह ने नईगढ़ी स्थित ठाकुर गोपाल शरण सिंह शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक स्कूल में छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी। यह यातायात जागरूकता कार्यक्रम बुधवार को नईगढ़ी के शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया गया। यातायात प्रभारी नरेश प्रताप सिंह ने छात्रों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने जोर दिया कि सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण लापरवाही और नियमों की अनदेखी है, जिसे केवल जागरूकता और अनुशासन से ही नियंत्रित किया जा सकता है।

यातायात प्रभारी ने बच्चों को हैलमेट पहनने की सलाह दी:प्रभारी सिंह ने छात्रों को पैदल चलने, साइकिल चलाने और बाइक चलाने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में समझाया। उन्होंने विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट के उपयोग पर जोर दिया, इसे एक जीवनरक्षक कवच बताया। उन्होंने कहा कि हेलमेट सिर की गंभीर चोटों से बचाकर जीवन को सुरक्षित कर सकता है। कार्यक्रम में छात्रों को यातायात संकेतों, लेन अनुशासन, ओवरलोडिंग के खतरों और नाबालिग ड्राइविंग के दुष्परिणामों से भी अवगत कराया गया। उपस्थित शिक्षकों ने भी छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के समापन पर, सभी छात्र-छात्राओं को हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इन नियमों के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। इस पहल से छात्रों में उत्साह देखा गया, और कई ने अपने परिवार तथा दोस्तों को भी यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करने की बात कही।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।